मुंबई(महाराष्ट्र) से प्रकाशित
हिन्दी दैनिक
# उत्तरशक्ति
हर खबर निष्पक्षता के साथ
मुंबई
वर्षः 9 अंक 53
सोमवार, 31 अगस्त 2026
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

## अब उज्बेकिस्तान में भी चलेगा भारतीय UPI, PM मोदी के दौरे में 11 ऐतिहासिक समझौते

**ताशकंद, 30 अगस्त।** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की उज्बेकिस्तान यात्रा के दौरान भारत और उज्बेकिस्तान के संबंधों को नई ऊंचाई देते हुए दोनों देशों ने अपनी रणनीतिक साझेदारी को व्यापक रणनीतिक साझेदारी में बदलने का फैसला किया है। इस दौरान संस्कृति, आयुर्वेद, खनिज संसाधन, पर्यटन, शिक्षा, पर्यावरण, वित्त और वैज्ञानिक शोध समेत कई क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने के लिए 11 समझौतों और अन्य पहलों की घोषणा की गई।

विदेश मंत्रालय की ओर से रविवार को जारी यात्रा के परिणामों के मुताबिक, दोनों देशों ने 2026-30 के लिए सांस्कृतिक आदान-प्रदान कार्यक्रम पर समझौता किया है। इसके तहत दोनों देशों के बीच सांस्कृतिक संपर्क और आदान-प्रदान को बढ़ावा दिया जाएगा।

भारत उज्बेकिस्तान के प्राचीन बौद्ध स्थलों फयाज टीपा और करा टीपा के संरक्षण और पुनरुद्धार में भी सहयोग करेगा। ये दोनों ऐतिहासिक स्थल उज्बेकिस्तान के तेरमेज क्षेत्र में स्थित हैं। इसके लिए भारत के विदेश मंत्रालय और उज्बेकिस्तान की सांस्कृतिक विरासत एजेंसी के बीच लेटर ऑफ इंटेंट हुआ है। दोनों देशों के राष्ट्रीय अभिलेखागार के बीच भी सहयोग का समझौता हुआ है। वहीं, आयुर्वेद और अन्य पारंपरिक चिकित्सा प्रणालियों के क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने के लिए भी एमओयू किया गया।

भारत के खान मंत्रालय और उज्बेकिस्तान के खनन उद्योग एवं भूविज्ञान मंत्रालय के बीच भूविज्ञान और खनिज संसाधनों के क्षेत्र में

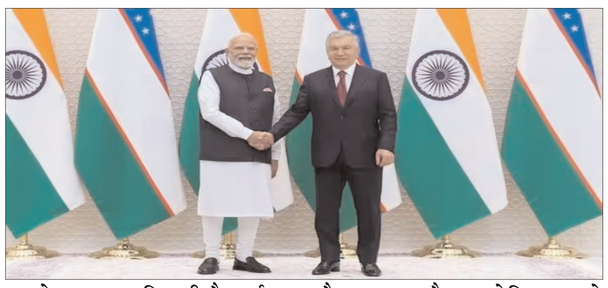

सहयोग पर सहमति बनी है। पर्यटन के क्षेत्र में 2026-28 के लिए साझेदारी कार्यक्रम भी शुरू किया गया है। इसके अलावा भारत के सुषमा स्वराज इंस्टीट्यूट ऑफ फॉरेन सर्विस और उज्बेकिस्तान की डिप्लोमैटिक अकादमी के बीच सहयोग का समझौता हुआ है। दोनों देशों के वित्त मंत्रालयों के बीच आर्थिक और वित्तीय संवाद शुरू करने के लिए भी एमओयू किया गया है। भारत और उज्बेकिस्तान ने पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने पर भी समझौता किया। उच्च शिक्षा और वैज्ञानिक शोध के क्षेत्र में भी दोनों देशों के बीच सहयोग के लिए एमओयू हुआ है। भारत ने अरल सागर क्षेत्र में वनीकरण के लिए 10 लाख डॉलर देने की घोषणा की है।

इसके अलावा हिंदी भाषा के लिए लाल बहादुर शास्त्री छात्रवृत्ति के तहत 100 छात्रवृत्तियां देने और ताशकंद स्टेट यूनिवर्सिटी ऑफ ओरिएंटल स्टडीज में आईसीसीआर संस्कृत चेयर स्थापित करने की घोषणा की गई है।

भारत के डिजिटल भुगतान तंत्र यूपीआई को भी उज्बेकिस्तान में विस्तार मिलने जा रहा है। एनपीसीआई इंटरनेशनल पेमेंट्स लिमिटेड और उज्बेकिस्तान के नेशनल इंटरबैंक प्रोसेसिंग सेंटर के बीच वाणिज्यिक समझौता हुआ है। इसके तहत भारत के वढकऐप से उज्बेकिस्तान के राष्ट्रीय दफ कोड वेदफ को स्कैन कर व्यापारिक भुगतान किया जा सकेगा। इसके अलावा गुजरात और उज्बेकिस्तान के समरकंद क्षेत्र के बीच साझेदारी संबंध स्थापित करने के लिए भी सहयोग समझौता हुआ है।

## सपा के भ्रष्टाचार का जीवंत स्मारक है जेपीएनआईसी, दंगा उसकी पहचानः सीएम योगी

**लखनऊ, 30 अगस्त।** मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि लखनऊ में बना जयप्रकाश नारायण इंटरनेशनल सेंटर (जेपीएनआईसी) समाजवादी पार्टी के भ्रष्टाचार का जीवंत स्मारक है। सपा ने इसे अपनी प्राइवेट लिमिटेड कंपनी का अड्डा जैसा बना दिया था। एक महापुरुष के नाम का इससे बड़ा अपमान नहीं हो सकता। प्रदेश सरकार अपराध व अपराधियों के साथ-साथ बेईमानी और भ्रष्टाचार के खिलाफ भी जीरो टॉलरेंस की नीति पर काम कर रही है। मुख्यमंत्री रविवार को रक्षामंत्री राजनाथ सिंह के साथ वीरांगना अवंतीबाई लोधी की भव्य प्रतिमा का लोकार्पण करने के उपरांत जनसमूह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र की रक्षा के लिए पूरा जीवन समर्पित करने वाले जयप्रकाश नारायण के नाम पर सपा शासनकाल में शुरू किए गए इस प्रोजेक्ट की लागत

200 करोड़ रुपये थी, लेकिन 864 करोड़ खर्च करने के बावजूद यह अधूरा रहा। जिस काम को 18 महीने में पूरा होना था, वह दो साल बाद भी अधूरा था। सेंटर पर सपा का कब्जा रखने के लिए एक कमेटी गठित की गई, जिसमें अखिलेश यादव, डिंपल यादव, धर्मेंद्र यादव, अखिलेश के निजी सचिव और सपा प्रवक्ता राजेंद्र चौधरी शामिल थे। सीएम योगी ने कहा कि जेपीएनआईसी पर खर्च हुए 864 करोड़ रुपये सैफई सिंडिकेट के नहीं, बल्कि उत्तर प्रदेश की जनता के हैं। जनता के पैसे पर किसी राजनीतिक दल को डकैती डालने की छूट नहीं दी जा सकती। सरकार ने कमेटी भंग कर इस सेंटर को वापस लिया है। अब लखनऊ विकास प्राधिकरण के मार्गदर्शन में इसे संचालित कर जयप्रकाश नारायण की स्मृति को जीवंत किया जाएगा। साथ ही प्रदेश के खजाने से खर्च धनराशि की वसूली का प्रयास किया जाएगा। सरकार ने जिन लोगों के हाथ से खजाना छीन लिया, वे अब अनर्गल प्रलाप कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पीडीए के नाम पर समाज को बांटने वाली सपा के लोगों ने कभी महापुरुषों का सम्मान तक नहीं किया। पूर्व मुख्यमंत्री कल्याण सिंह के निधन पर सपा नेताओं के मुंह से श्रद्धांजलि का एक शब्द नहीं निकला, एक ट्वीट तक नहीं किया। सपा दंगों की बादशाह है। कर्फ्यू उसकी पहचान और सरकारी खजाने में लूट-खसोट उसकी आदत रही है।

## विदेश में विविधता की बात, भारत में क्यों नहीं? मोहन भागवत के भाषण पर कपिल सिब्बल का तीखा हमला

**नई दिल्ली, 30 अगस्त।** न्यूयॉर्क के मैडिसन स्क्वायर गार्डन में आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत के संबोधन के बाद भारत में नई सियासी बहस शुरू हो गई है। भाजपा के कई नेता जहां उनके भाषण की तारीफ कर रहे हैं और समर्थन में खड़े हैं, वहीं कांग्रेस ने भागवत की टिप्पणियों को लेकर सवाल उठाए हैं। राज्यसभा सांसद और वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने भागवत के विविधता में एकता वाले बयान पर निशाना साधा है। कपिल सिब्बल ने मोहन भागवत के भाषण पर तंज कसते हुए कहा कि उनकी बातें सुनकर उन्हें लगा कि यह राहुल गांधी का भाषण है या आरएसएस प्रमुख का। सिब्बल ने कहा कि विदेश में विविधता को स्वीकार करने की बात की जाती है, लेकिन भारत में इसी भावना को लेकर

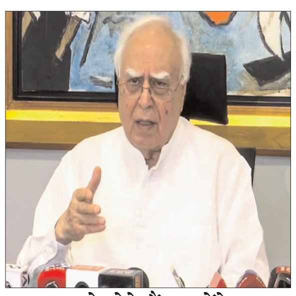

सवाल खड़े होते हैं। उन्होंने सवाल किया कि अगर विदेश में विविधता को स्वीकार किया जाता है तो अपने देश में विविधता को क्यों बर्दाश्त नहीं किया जाता?

सिब्बल ने कहा कि जब मोहन भागवत न्यूयॉर्क में भारत के लोगों के एक-दूसरे के प्रति संवेदना और एकता की बात कर रहे थे, तो उन्हें राहुल गांधी के बयानों की याद आ गई। उन्होंने मॉब लिंचिंग जैसी घटनाओं का जिक्र करते हुए सवाल किया कि जब भारत में ऐसी घटनाएं होती हैं, तब क्या लोगों के प्रति वही संवेदना दिखाई जाती है, जिसकी बात विदेश में की जा रही है?

कपिल सिब्बल ने राम मंदिर के उद्घाटन और रामलला की प्राण प्रतिष्ठा का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि हिंदू और राम भक्त होने पर गर्व किया जा सकता है, लेकिन जो लोग विविधता के सम्मान की बात करते हैं, उन्हें मंदिर निर्माण से पहले हुई घटनाओं पर भी बोलना चाहिए।

सिब्बल ने मोहन भागवत के भाषण में इस्तेमाल किए गए चार शब्दों का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि भागवत ने विविधता का जश्न मनाने, सम्मान करने, स्वीकार करने और संरक्षण की बात कही। इसके बाद सिब्बल ने सवाल किया कि भारत में जब विविधता कथित तौर पर खतरे में होती है।

## उपराष्ट्रपति ने केरल में बाढ़ रोकने के लिए नदियों की गहराई बढ़ाने पर जोर दिया

**नई दिल्ली, 30 अगस्त।** भारत के उपराष्ट्रपति सी. पी. राधाकृष्णन ने रविवार को अधिकारियों से केरलम में बाढ़ की समस्या से निपटने के लिए नदियों की गहराई बढ़ाने का आग्रह किया। साथ ही उन्होंने कहा कि लोगों को पर्यावरण से जुड़े मुद्दों को लेकर कट्टर नहीं होना चाहिए। वह यहां मलयालम दैनिक अखबार केरल कौमुदी के 115वें स्थापना वर्ष समारोह को संबोधित कर रहे थे।

राधाकृष्णन रविवार को केरलम पहुंचे और वह दो दिन तक विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल होंगे। उन्होंने कहा, केरलम के सामने एक बड़ी समस्या आ रही है : नदियों की गहराई कम होती जा रही है, क्योंकि नियमित अंतराल पर रेत नहीं निकाली जा रही है। मैं यह नहीं कह रहा हूं कि सारी रेत एक साथ निकाल दी जाए, लेकिन नियमित अंतराल पर रेत निकाली जानी चाहिए, ताकि नदी की गहराई बनी रहे। वरना पानी जाएगा कहां? उन्होंने कहा कि नदियों की गहराई बढ़ाना जरूरी है। राधाकृष्णन ने कहा, हमें पर्यावरण समेत किसी भी मुद्दे को लेकर कट्टर नहीं होना चाहिए। हमें हर चीज का राजनीतिकरण नहीं करना चाहिए, क्योंकि ऐसा करना हमेशा विकास के हित के खिलाफ जाएगा। उन्होंने कहा कि केरलम को पर्यावरण की रक्षा करते हुए औद्योगिक, शिक्षा और स्वास्थ्य क्षेत्रों में दूसरे राज्यों के साथ कदम मिलाकर आगे बढ़ना चाहिए।राधाकृष्णन ने बताया कि राज्य में हाल में आई बाढ़ के बाद उन्होंने केरल के सांसदों से नदियों को गहरा करने पर विचार करने को कहा था। उन्होंने कहा कि अनिश्चित और बदलती बारिश की प्रवृत्ति ने एक और बड़ी समस्या पैदा कर दी है जहां लंबे समय तक बारिश नहीं होती और फिर रातभर में भारी बारिश हो जाती है। राधाकृष्णन ने पत्रकारों से ऐसे मुद्दों के बारे में जागरूकता

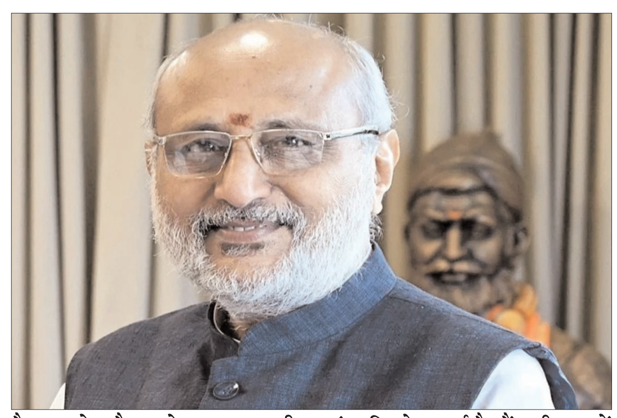

पैदा करने और इनके समाधान की जरूरत पर लिखने का आग्रह किया। राधाकृष्णन ने राज्य का नाम बदलकर केरलम किए जाने पर लोगों को बधाई दी। उन्होंने कहा, 12 अगस्त 2026 को जब यह विधेयक पारित हुआ, तब मैं राज्यसभा की अध्यक्षता कर रहा था। मैं हर केरलवासी को इस नए नाम के लिए बधाई देता हूं, क्योंकि यह केरलम की संस्कृति को दर्शाता है। मैं सभी सदस्यों के चेहरों पर खुशी देख सकता था कि एक ऐतिहासिक गलती अब सुधारी जा रही थी। राधाकृष्णन ने देश के लिए केरलम के तीन प्रमुख योगदानों का भी उल्लेख किया और इस दौरान उन्होंने आदि शंकराचार्य, श्री नारायण गुरु और मन्नथु पद्मनाभन का जिक्र किया। उन्होंने कहा, अगर आदि शंकराचार्य नहीं होते तो मुझे नहीं लगता कि आज अखंड भारत होता। और अगर नारायण गुरु नहीं होते तो हमारे बीच समानता नहीं होती।

तीसरे हैं मन्नथु पद्मनाभन, जो एक महान समाज सुधारक भी थे। उन्होंने शिक्षा को बहुत महत्व दिया और चाहते थे कि हर व्यक्ति शिक्षित हो। उन्होंने कहा कि ऐसे समाज सुधारकों के प्रयासों के कारण केरलम देश का पहला 100 प्रतिशत साक्षर राज्य बना। उन्होंने नारायण गुरु को आधुनिक इतिहास के महानतम संतों और समाज सुधारकों में से एक बताया।केरल कौमुदी के 115 वर्षों के दौरान पत्रकारिता और उसकी नैतिकता को बनाए रखने की सराहना करते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा कि पत्रकारिता ने राजनीतिक जागरूकता पैदा करने, सामाजिक सुधारों को बढ़ावा देने, स्थापित परंपराओं पर सवाल उठाने और आम लोगों को अपने अधिकारों के लिए आवाज उठाने का मंच देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

## भाई को बचाने के लिए तालाब में कूदीं 3 बहनें, चारों की डूबने से मौत

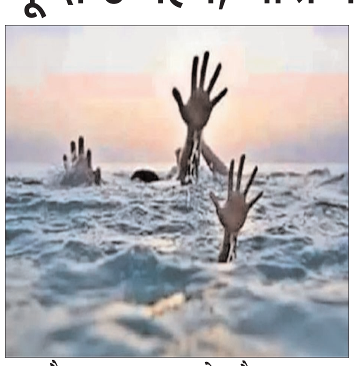

**धौलपुर।** राजस्थान के धौलपुर जिले में रविवार तड़के एक तालाब में भाई को डूबने से बचाने के प्रयास में उसकी तीन बहनें भी गहरे पानी में डूब गईं। इस हादसे में चारों की मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, यह हादसा बिरजा गांव के पास स्थित हीरामन कुंड तालाब में हुआ।

पुलिस ने बताया कि रवि (21) शनिवार रात अपनी बहनों मनोरमा (22), बोटो (25) और चचेरी बहन कल्लो (18) के साथ मेले में शामिल होने के बाद हीरामन बाबा मंदिर आया था। रविवार तड़के चारों तालाब पर पहुंचे। इसी दौरान रवि नहाने के लिए पानी में उतरा, लेकिन गहरे पानी में चले जाने के कारण वह डूबने लगा।

पुलिस के मुताबिक, भाई को डूबता देख उसकी तीनों बहनें उसे बचाने के लिए तालाब में कूद गईं, लेकिन वे भी गहरे पानी में डूब गईं। इस घटना की जानकारी मिलने के बाद ग्रामीणों ने तत्काल बचाव अभियान शुरू किया। ग्रामीणों ने तालाब से तीनों बहनों के शव बाहर निकाल लिए, जबकि रवि का शव कुछ घंटे बाद बरामद किया गया। पुलिस ने बताया कि मामले की जांच जारी है।

## दक्षिण अफ्रीका को झटकाः ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट सीरीज से बाहर हुए रबाडा

**जोहानिसबर्ग, 30 अगस्त।** दक्षिण अफ्रीका के स्टार तेज गेंदबाज कगिसो रबाडा ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होने वाली घरेलू टेस्ट सीरीज से बाहर हो गए हैं। उनकी दाहिनी हैमस्ट्रिंग में गंभीर चोट (ग्रेड-3 टियर) लगी है। रिपोर्ट्स के अनुसार, 31 वर्षीय रबाडा को अब करीब दो महीने तक क्रिकेट से दूर रहना पड़ सकता है। इस चोट की वजह से उनका फिटनेस और ट्रेनिंग कार्यक्रम भी प्रभावित हुआ है, जो टीम के लिए बड़ा झटका माना जा रहा है। रबाडा की घरेलू टीम 'लायंस' के गेंदबाजी कोच साउथ अफ्रीका के पूर्व तेज गेंदबाज एलन डोनाल्ड ने कहा कि मेडिकल जांच के बाद उन्हें इस हाई-प्रोफाइल सीरीज से पूरी तरह बाहर कर दिया गया है। पहले उम्मीद थी कि वह 10 सितंबर से बोलैंड के खिलाफ शुरू होने वाले शुरूआती चार-दिवसीय घरेलू मैच के लिए उपलब्ध रहेंगे। डोनाल्ड ने बताया, वह ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सभी टेस्ट मैचों से भी बाहर रहेंगे।

दक्षिण अफ्रीका को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन मैचों की टेस्ट सीरीज की मेजबानी करनी है, जिसकी शुरूआत नौ अक्तूबर को

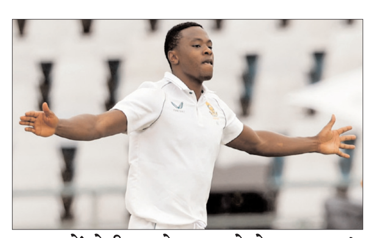

डरबन में होगी। इसके बाद गकेबेरहा और केपटाउन में मैच खेले जाएंगे, जो क्रमशः 18 और 27 अक्तूबर से शुरू होंगे। टेस्ट मैचों से पहले तीन मैचों की वनडे सीरीज होगी, जिसकी शुरूआत 24 सितंबर को डरबन के किंग्समीड में होगी। हालांकि, रबाडा की अनुपस्थिति से दक्षिण अफ्रीका के गेंदबाजी अटैक में एक बड़ी कमी आ जाएगी। दाएं हाथ के इस तेज गेंदबाज ने 73 टेस्ट मैचों में 340 विकेट लिए हैं और लॉर्ड्स में विश्व टेस्ट चैंपियनशिप 2025 के फाइनल में ऑस्ट्रेलिया पर दक्षिण अफ्रीका की जीत में अहम भूमिका निभाई थी, जहां उन्होंने मैच में 110 रन देकर नौ विकेट चटकाए थे।

ऑस्ट्रेलियाई टीम के खिलाफ रबाडा का टेस्ट रिकॉर्ड शानदार रहा है। उन्होंने 11 मैचों में 21.39 की औसत से 58 विकेट लिए हैं।

DAKS REHAB CENTRE
(PARALYSIS PHYSIOTHERPHY CENTER AND OLD AGE HOME)
Contact us: 9820519851
विल्डिंग नंबर 3, प्लॉट नंबर 3, आदर्श घरकुल सोसायटी सायन कोलीवाडा जीटीबी नगर मुंबई-37
* Stroke/Paralysis/Complete Rehab Centre
* बाहर से आये रोगी और उनके परिजनो के ठहरने कि व्यवस्था
* वृद्ध लोगों के लिए रहने की सुविधा उपलब्ध
* DM/HT/THYROID इन सब से कैसे बचें
* NGO में मिलनेवाली सहायता को लोगों में देना
* चिकित्सा उपकरणो को किराये और बिक्री सुविधा उपलब्ध
* एम्बुलेंस सेवा उपलब्ध
* पोस्ट ऑपरेटिव रिहैब सेंटर
* मरीजों के लिए घर पर 12 और 24 घंटे जीडीए परिचारक
* विशेषज्ञ डॉक्टरो से ऑनलाइन और ऑफलाइन परामर्श की सुविधा उपलब्ध
* मासिक ईएमआई के आधार पर व्यक्तीयों, परिवारो और माता-पिता के लिए स्वास्थ्य निती की चिकित्सा सुविधा उपलब्ध

TIWARI'S
SARASWATI CLASSES
Since 1992
Parents' First Choice for 34+ Years
Prof. Dr. Dayanand Tiwari
Founder & Academic Director
ADMISSIONS OPEN
9th | 10th | 11th | 12th SCIENCE
NEET | JEE | MHT-CET
10 DAYS FREE DEMO
Attend Classes • Experience Our Teaching
Take Admission After Satisfaction
(No Hidden Conditions)
✓ 34+ Years of Academic Excellence
✓ Experienced & Dedicated Faculty
✓ Personal Attention
✓ Printed Notes & Regular Tests
✓ Strong Foundation for Boards & Competitive Exams
Santacruz Branch
101 Sai Chambers,
Opp. Santacruz Railway Station (East),
Near Depot, Santacruz (E), Mumbai-400055
Sion Branch
Opp. SIES College (Old),
Near Gurukripa Hotel,
Sion (West), Mumbai
Limited Seats / Small Batch Size
CALL NOW:
7738007373

NEW LIGHT CLASSES
TRADITION OF EXCELLENCE
2nd Floor, Sheetal Bldg.
Near Diamond Talkies,
L. T. Road, Borivali (West)
Mumbai - 400 092
Maharashtra
ADMISSIONS OPEN
ALL OVER INDIA
ENROLL NOW

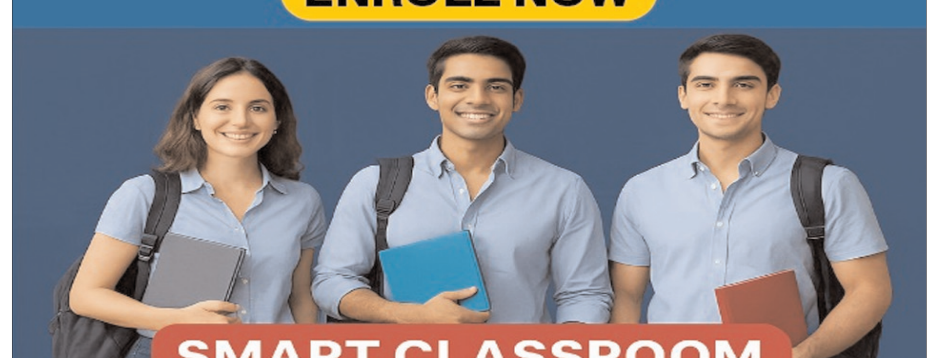

SMART CLASSROOM
(ONLINE/OFFLINE)
Courses Offered
• Std. XI & XII (Sci.)
• NEET
• JEE (Main & Advance)
• MHT-CET
• Polytechnic & Engg
• Physics and Maths (ICSE, CBSE, ISC)
M: 9833240148 | E: edu@newlightclasses.com | W: www.newlightclasses.com

# युवाचार्य महावीर कुमार

## अध्यात्म-जगत में एक नवीन युग-संभावना का उद्घाटन

-ललित गर्ग

कुछ घटनाएं इतिहास में दर्ज होती हैं और कुछ घटनाएं इतिहास की दिशा बदलने की क्षमता रखती हैं। तेरापंथ धर्मसंघ के वर्तमान आचार्य श्री महाश्रमणजी द्वारा मुख्य मुनि महावीर कुमारजी को अपने उत्तराधिकारी के रूप में युवाचार्य मनोनीत किया जाना ऐसी ही घटना है। 27 जुलाई 2026, आषाढ़ शुक्ला त्रयोदशी को लाडनूं स्थित जैन विश्व भारती के सुधर्मा सभा परिसर में हुई यह घोषणा तेरापंथ की लगभग ढाई शताब्दी पुरानी आचार्य-परम्परा में एक नया अध्याय जोड़ने वाली है। लेकिन इस घटना को केवल एक धार्मिक संगठन के भावी नेतृत्व के निर्धारण के रूप में देखना इसके वास्तविक महत्व को सीमित करना होगा। यह मनोनयन साधना की गहराई, ज्ञान की व्यापकता, मानवीय चेतना की ऊष्मा और नेतृत्व की विलक्षण प्रतिभा के एक ऐसे समन्वय की प्रतिष्ठा है, जो आने वाले समय में अध्यात्म को नई भाषा, नई दृष्टि और नया वैश्विक आयाम दे सकता है।

तेरापंथ में युवाचार्य का पद किसी राजनीतिक या प्रशासनिक उत्तराधिकार जैसा पद नहीं है। यहां नेतृत्व अधिकार से नहीं, आत्मानुशासन से अर्जित होता है; प्रतिष्ठा पद से नहीं, साधना से मिलती है; और उत्तराधिकार किसी वंश का नहीं, विचार, मयार्दा, तप और आध्यात्मिक संस्कारों की निरंतरता का होता है। आचार्य श्री महाश्रमण जी ने इसी स्वस्थ परम्परा का निर्वाह करते हुए मुनि महावीर कुमार जी को अपना उत्तराधिकारी घोषित किया है। इसलिए यह प्रश्न अधिक महत्वपूर्ण है कि मुनि महावीर कुमार जी कौन हैं और उनके युवाचार्यत्व में भविष्य के अध्यात्म की कौन-सी संभावनाएं दिखाई देती हैं?

मुनि महावीर कुमार जी का जीवन इस प्रश्न का उत्तर स्वयं देता है। अल्पायु में दीक्षा ग्रहण करने से लेकर मुख्य मुनि जैसे अत्यंत महत्वपूर्ण दायित्व तक की

उनकी यात्रा केवल पदों की यात्रा नहीं है। यह आत्मसंयम, स्वाध्याय, तप, अनुशासन, चिंतन और निरंतर आत्मपरिष्कार की यात्रा है। उनके व्यक्तित्व में आध्यात्मिक साधक की गंभीरता के साथ आधुनिक समय को समझने वाले चिंतक की दृष्टि दिखाई देती है। यही उनकी सबसे बड़ी शक्ति है। उनके जीवन का एक उल्लेखनीय पक्ष यह भी है कि आध्यात्मिक साधना को उन्होंने ज्ञान से अलग नहीं माना। पर्यावरणीय चिंतन पर उनका शोध और जैन आगमों में पर्यावरणीय दृष्टि का अध्ययन यह संकेत देता है कि उनकी दृष्टि केवल परम्परा के संरक्षण तक सीमित नहीं, बल्कि परम्परा में निहित उन जीवन-मूल्यों को समकालीन विश्व की समस्याओं से जोड़ने वाली है। उपलब्ध विवरणों के अनुसार उन्हें जैन आगमों में पर्यावरणीय चिंतन पर शोध के लिए पीएचडी उपाधि भी प्राप्त हुई है। यह तथ्य आज विशेष अर्थ रखता है। दुनिया जलवायु संकट, पर्यावरणीय असंतुलन, हिंसा, मानसिक तनाव और असीमित उपभोग की संस्कृति से जूझ रही है। ऐसे समय में जैन दर्शन का अपरिग्रह, संयम, अहिंसा और सह-अस्तित्व का संदेश केवल धार्मिक सिद्धांत नहीं रह जाता, बल्कि मानवता के अस्तित्व का प्रश्न बन जाता है। यदि अध्यात्म आधुनिक समस्याओं के समाधान से जुड़ता है, तभी वह जीवंत और प्रभावी बनता है।

युवाचार्य महावीर कुमार की संभावित भूमिका इसी संदर्भ में महत्वपूर्ण हो जाती है। उनका व्यक्तित्व हमें यह विश्वास दिलाता है कि आने वाला अध्यात्म केवल मंदिरों, उपाश्रयों और प्रवचन सभाओं तक सीमित रहने वाला अध्यात्म नहीं होगा। वह मनुष्य के मन, परिवार के संस्कार, समाज के चरित्र, पर्यावरण की रक्षा और वैश्विक सह-अस्तित्व से जुड़े प्रश्नों पर भी अपना प्रभाव डालेगा। आज मानव सभ्यता के सामने सबसे बड़ा संकट बाहरी संसाधनों का नहीं, आंतरिक संतुलन का है। मनुष्य के पास ज्ञान बहुत है, लेकिन विवेक कम होता जा रहा है। सुविधाएं बढ़ी हैं, लेकिन संतोष घटा है। संपर्क के साधन बढ़े हैं, लेकिन आत्मीयता कम हुई है। स्वतंत्रता का विस्तार हुआ है, लेकिन आत्मानुशासन कमजोर पड़ा है। आर्थिक विकास ने जीवन को गति दी है, लेकिन उस गति की दिशा पर प्रश्नचिह्न खड़े हो रहे हैं। ऐसे समय में अध्यात्म की आवश्यकता पहले से कहीं अधिक है। मगर ऐसा अध्यात्म, जो जीवन से भागना नहीं सिखाए; बल्कि जीवन को अधिक जागरूकता, संयम, करुणा और उत्तरदायित्व के साथ जीना सिखाए। युवाचार्य महावीर कुमार जी की साधना की दिशा इसी जीवंत अध्यात्म की ओर संकेत करती है। उनके व्यक्तित्व की दूसरी बड़ी विशेषता है मानवीय चेतना की ऊष्मा। अध्यात्म तभी प्रभावी होता है जब उसमें मनुष्य के प्रति करुणा हो। केवल ज्ञान मनुष्य को बड़ा विद्वान बना सकता है, लेकिन करुणा उसे बड़ा मनुष्य बनाती है। केवल अनुशासन व्यवस्था पैदा कर सकता है, लेकिन आत्मीयता समाज को जोड़ती है। युवाचार्य महावीर कुमार के व्यवहार में सरलता, सहजता, विनम्रता और आत्मीयता का समन्वय उनकी आध्यात्मिकता को मानवीय धरातल प्रदान करता है। उनकी दृष्टि में धर्म विभाजन की दीवार नहीं, मनुष्य को मनुष्य से जोड़ने वाला सेतु बन सकता है। यही दृष्टि आज की विभाजित दुनिया के लिए अत्यंत आवश्यक है। आज जाति, भाषा, क्षेत्र, विचारधारा और आर्थिक विषमता के आधार पर समाजों में दूरी बढ़ रही है। ऐसे समय में जैन दर्शन का अनेकांत और सह-अस्तित्व केवल दार्शनिक अवधारणाएं नहीं, बल्कि सामाजिक शांति के व्यावहारिक सूत्र बन सकते हैं। युवाचार्य महावीर कुमार जी की भूमिका यहां एक आध्यात्मिक सेतु की हो सकती है-परम्परा और आधुनिकता के बीच, धर्म और समाज के बीच, व्यक्ति और विश्व के बीच तथा आत्मकल्याण और लोकमंगल के बीच। उनके नेतृत्व का सबसे महत्वपूर्ण आयाम युवा चेतना हो सकता है। दुनिया की सबसे बड़ी युवा आबादी वाले देश भारत में युवा शक्ति यदि चरित्र, विवेक और नैतिकता से जुड़ती है तो वह राष्ट्र के भविष्य को बदल सकती है। लेकिन यदि वही युवा केवल उपभोग, प्रतिस्पर्धा, नशे, आभासी दुनिया और तात्कालिक सफलता की दौड़ में उलझ जाए तो उसकी ऊर्जा विघटनकारी भी बन सकती है।

तेरापंथ की मूल चेतना-अहिंसा, संयम, अनुशासन, अनेकांत, अपरिग्रह और आत्मजागरण-आज पहले से अधिक प्रासंगिक है। आवश्यकता केवल इतनी है कि इन मूल्यों को आधुनिक मनुष्य की भाषा में, आधुनिक समस्याओं के संदर्भ में और वैश्विक समाज की आवश्यकताओं के अनुरूप प्रस्तुत किया जाए। यदि ऐसा होता है तो तेरापंथ का प्रभाव केवल धार्मिक अनुयायियों तक सीमित नहीं रहेगा। वह विश्व-चेतना के विमर्श में अपनी विशिष्ट भूमिका निभा सकता है। युवाचार्य का मनोनयन इसलिए एक व्यक्ति का सम्मान नहीं, एक संभावना का उद्घाटन है। यह संभावना उस अध्यात्म की है जो विज्ञान का विरोध नहीं करता, बल्कि विज्ञान को विवेक देता है; जो विकास को रोकता नहीं, बल्कि विकास को मानवीय बनाता है; जो भौतिक समृद्धि का निषेध नहीं करता, बल्कि उसके साथ संतुलन और संयम की चेतना जोड़ता है; जो धर्म को संकीर्ण पहचान नहीं, बल्कि सार्वभौमिक मानवीय मूल्यों का माध्यम बनाता है। आज विश्व को किसी नये संघर्ष की नहीं, नई चेतना की आवश्यकता है। उसे ऐसे नेतृत्व की आवश्यकता है जो सत्ता के बिना प्रभाव पैदा कर सके, संसाधनों के बिना परिवर्तन की प्रेरणा दे सके और किसी पर नियंत्रण किए बिना आत्मानुशासन का मार्ग दिखा सके। संत परम्परा का वास्तविक सामर्थ्य यही है। युवाचार्य महावीर कुमार जी के व्यक्तित्व में यह संभावना दिखाई देती है कि वे तेरापंथ की आध्यात्मिक विरासत को नई पीढ़ी की चेतना से जोड़ते हुए व्यापक मानव समाज तक पहुंचाने वाले प्रभावी संवाहक बनें। उनका युवाचार्यत्व इसलिए केवल तेरापंथ के भविष्य की घोषणा नहीं है। यह अध्यात्म के भविष्य के प्रति एक विश्वास की घोषणा है। यह उस यात्रा का प्रारंभ है जिसमें साधना व्यक्तिगत मुक्ति से आगे बढ़कर लोकमंगल की शक्ति बन सकती है, ज्ञान पुस्तकालयों से निकलकर जीवन का प्रकाश बन सकता है, संयम व्यक्तिगत तपस्या से आगे बढ़कर सामाजिक संतुलन का आधार बन सकता है और अहिंसा केवल सिद्धांत न रहकर वैश्विक जीवन-पद्धति का विकल्प बन सकती है। आचार्य श्री महाश्रमण जी ने मुनि महावीर कुमार जी को युवाचार्य बनाकर जिस उत्तरदायित्व की धवल चादर ओढ़ाई है, उसमें केवल तेरापंथ की परम्परा का भार नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों की आशाएं भी समाहित हैं। इस अवसर पर आचार्यश्री ने उन्हें आचार्य श्री भिक्षु की परम्परा को आगे बढ़ाने का प्रयास करते रहने का संदेश दिया। यही इस घटना का सबसे गहरा संदेश है-उत्तराधिकार किसी पद का नहीं, मूल्यों का है। और जब मूल्य किसी ऐसे साधक को सौंपे जाते हैं, जिसके जीवन में साधना की गहराई, ज्ञान की व्यापकता, मानवीय चेतना की ऊष्मा, विनम्रता की ऊंचाई और नेतृत्व की विलक्षण प्रतिभा एक साथ दिखाई देती हो, तब वह घटना केवल एक धर्मसंघ की घटना नहीं रहती बल्कि भारतीय अध्यात्म के एक नये वैश्विक अध्याय के उद्घाटन के रूप में देख सकता है। यही इस घटना की ऐतिहासिकता है। यही इसकी आध्यात्मिक ऊंचाई है। और यही युवाचार्य महावीर कुमार जी से जुड़ी सबसे बड़ी आशा भी-वे स्वयं साधना की ज्योति बनें और उस ज्योति से मनुष्य के भीतर के अंधकार को दूर करते हुए समूचे विश्व की चेतना को करुणा, संयम, अहिंसा और सह-अस्तित्व के प्रकाश से आप्लावित करें।

# सिंधु नदी पर भारत के 36 बांध से लद्दाख का कायाकल्प और पाकिस्तान की बढ़ती रणनीतिक बेचैनी

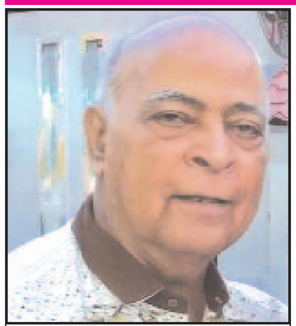

अशोक भाटिया

दक्षिण एशिया की भूराजनीति में पानी हमेशा से केवल एक प्राकृतिक संसाधन नहीं, बल्कि रणनीतिक संप्रभुता और राष्ट्रीय सुरक्षा का एक अचूक हथियार रहा है। हाल ही में भारत सरकार और लद्दाख प्रशासन द्वारा सिंधु नदी और उसकी सहायक उप-नदियों पर एक साथ 36 नए रॉक डैम बनाने के मेगा प्रपोजल ने इस क्षेत्र की जल-भूराजनीति में एक नया भूचाल ला दिया है। मुख्यधारा के मीडिया और रक्षा गलियारों में 'भारत का बड़ा धमाका' कहे जा रहे इस कदम ने सीमा पार पाकिस्तान में भारी हड़कंप मचा दिया है। पाकिस्तान, जो पहले से ही गहरे आर्थिक संकट, राजनीतिक अस्थिरता और खराब जल प्रबंधन से जूझ रहा है, के लिए सिंधु नदी के ऊपरी जलप्रवाह क्षेत्र में भारत की यह सक्रियता एक गंभीर अस्तित्वगत संकट की तरह देखी जा रही है। यह परियोजना केवल लद्दाख के ठंडे मरुस्थल को हरा-भरा करने का एक स्थानीय प्रयास मात्र नहीं है, बल्कि यह नई दिल्ली द्वारा इस्लामाबाद को दिया गया एक बेहद कड़ा और स्पष्ट रणनीतिक संदेश है। यह कदम दिखाता है कि भारत अब सिंधु जल संधि की तकनीकी कमियों और अपनी भौगोलिक स्थिति का उपयोग अपनी राष्ट्रीय प्राथमिकताओं और सुरक्षा हितों को सुरक्षित करने के लिए पूरी आक्रामकता से करने के लिए तैयार है।

इस पूरी परियोजना के मूल में लद्दाख की अनूठी और कठिन भौगोलिक परिस्थितियां हैं। लद्दाख को एक 'शीत मरुस्थल' कहा जाता है, जहां वार्षिक वर्षा नगण्य होती है और कृषि पूरी तरह से ग्लेशियरों के पिघलने से आने वाले पानी पर निर्भर करती है। जलवायु परिवर्तन के इस दौर में ग्लेशियर तेजी से सिकुड़ रहे हैं, जिससे सर्दियों और गर्मियों के शुरूआती महीनों में पानी का भारी संकट पैदा हो जाता है। ऐसे में लद्दाख प्रशासन ने एक बेहद व्यावहारिक, पर्यावरण-अनुकूल और किफायती समाधान खोजा है–रॉक डैम तकनीक। पारंपरिक रूप से बनने वाले कंक्रीट के विशालकाय बांधों के विपरीत, ये रॉक डैम स्थानीय स्तर पर उपलब्ध पत्थरों, कंकड़-पत्थरों और मिट्टी से निर्मित किए जाते हैं। इस मेगा प्रोजेक्ट की सबसे हैरान करने वाली बात इसकी लागत है; मात्र ?56 करोड़ के अनुमानित बजट में सभी 36 बांधों को तैयार करने का प्रस्ताव है। यह दुनिया का सबसे सस्ता और अत्यधिक प्रभावी इरीगेशन मॉडल साबित होने जा रहा है। इसका एक सफल पायलट प्रोजेक्ट पहले ही लेह में देखा जा चुका है, जहां महज 7 दिनों के भीतर और केवल 10 लाख रुपये की लागत से एक रॉक डैम खड़ा कर दिया गया था। जब ये 36 बांध पूरी तरह बनकर तैयार हो जाएंगे, तो इनसे लद्दाख की लगभग 18,600 एकड़ सूखी और बंजर भूमि को नियमित रूप से सिंचाई का पानी मिल सकेगा। यह तकनीक स्थानीय पारिस्थितिकी तंत्र को बिना कोई नुकसान पहुंचाए सर्दियों के दौरान बह जाने वाले अतिरिक्त पानी को रोककर भूजल स्तर को रीचार्ज करेगी और गर्मियों के लिए पानी का संचय करेगी, जिससे स्थानीय जनजातीय आबादी की आर्थिक और खाद्य सुरक्षा को एक नई ताकत मिलेगी।

भारत के इस कदम से पाकिस्तान के भीतर जो खलबली मची है, उसके पीछे गहरे ऐतिहासिक और भौगोलिक कारण हैं। सिंधु नदी तंत्र को पाकिस्तान की 'लाइफलाइन' या जीवनरेखा कहा जाता है। पाकिस्तान की 80 प्रतिशत से अधिक कृषि भूमि सीधे तौर पर सिंधु नदी और उसकी सहायक नदियों के बेसिन पर निर्भर है। पाकिस्तान की पूरी खाद्य सुरक्षा, कपड़ा उद्योग (जो उसकी अर्थव्यवस्था की रीढ़ है), और जलविद्युत उत्पादन इसी नदी तंत्र के पानी से संचालित होते हैं। ऐसे में जब भारत सिंधु नदी के मुख्य प्रवाह क्षेत्र में 36 नई संरचनाएं बनाने की घोषणा करता है, तो पाकिस्तान की सुरक्षा एजेंसियां और जल नीति विशेषज्ञ इसे एक बड़े खतरे के रूप में देखते हैं। तकनीकी रूप से भले ही ये रॉक डैम पानी को पूरी तरह से रोकने या मोड़ने वाले विशाल जलाशय न हों, लेकिन पाकिस्तान को डर है कि ऊपरी प्रवाह पर इतनी बड़ी संख्या में नियंत्रण बिंदु स्थापित करके भारत ने भविष्य के लिए एक बहुत बड़ा रणनीतिक लाभ हासिल कर लिया है। पाकिस्तान को यह आशंका सता रही है कि सूखे के दिनों में भारत इन बांधों के माध्यम से पानी के प्रवाह को धीमा कर सकता है या अपनी जरूरत के हिसाब से पानी को संचित कर सकता है, जिससे पाकिस्तान के निचले मैदानी इलाकों में कृषि पूरी तरह ठप हो सकती है। पानी की कमी से जूझ रहे पाकिस्तान के लिए यह डर केवल काल्पनिक नहीं है, बल्कि उसके अस्तित्व से जुड़ा प्रश्न बन गया है।

हिन्दी दैनिक उत्तरशक्ति मार्गदर्शन

इस पूरे घटनाक्रम को 1960 में हुई ऐतिहासिक सिंधु जल संधि के चश्मे से देखना बेहद जरूरी है। विश्व बैंक की मध्यस्थता में हुई इस संधि के तहत छह नदियों के पानी को दोनों देशों के बीच विभाजित किया गया था, जिसमें तीन पूर्वी नदियों (रावी, ब्यास, सतलुज) पर भारत को पूर्ण अधिकार दिया गया और तीन पश्चिमी नदियों (सिंधु, झेलम, चिनाब) का अधिकांश पानी पाकिस्तान को आवंटित किया गया। हालांकि, इस संधि में भारत को पश्चिमी नदियों पर 'रन-ऑफ-द-रिवर' परियोजनाओं के तहत घरेलू उपयोग, सिंचाई और जलविद्युत उत्पादन के लिए सीमित उपयोग की अनुमति दी गई है। भारत का यह नया रॉक डैम प्रोजेक्ट पूरी तरह से संधि के इसी दायरे के भीतर आता है क्योंकि ये बांध पानी के प्राकृतिक मार्ग को स्थायी रूप से अवरुद्ध नहीं करते, बल्कि केवल उसके वेग को नियंत्रित कर जल संचयन करते हैं। लेकिन हाल के वर्षों में भारत का रुख इस संधि को लेकर बेहद कड़ा हुआ है। सीमा पार से लगातार जारी आतंकवाद और विशेष रूप से हाल के वर्षों में पुंछ और पहलगाम जैसे क्षेत्रों में हुए आतंकी हमलों के बाद भारत सरकार ने साफ कर दिया है कि ?रक्त और पानी एक साथ नहीं बह सकते।? भारत ने सिंधु जल संधि की समीक्षा और उसमें संशोधन के लिए पाकिस्तान को औपचारिक नोटिस भी जारी किए हैं। वर्तमान भूराजनीतिक परिदृश्य में लद्दाख में इन 36 बांधों के निर्माण को भारत की इसी नई और आक्रामक जल-नीति के क्रियान्वयन के रूप में देखा जा रहा है, जहां भारत अब बिना किसी हिचकिचाहट के अपने कानूनी अधिकारों का पूर्ण उपयोग जमीन पर कर रहा है।

लद्दाख में 36 रॉक बांधों का निर्माण केवल स्थानीय विकास की कहानी नहीं है, बल्कि यह एक चतुर और दूरदर्शी 'वॉटर डेटरेंस' का हिस्सा है। पिछले कई दशकों से पाकिस्तान ने भारत के खिलाफ छद्म युद्ध और आतंकवाद को अपनी राज्य नीति का हिस्सा बना रखा था, और भारत इस पर राजनयिक और सैन्य स्तर पर प्रतिक्रिया देता था। लेकिन अब भारत ने जल संसाधनों को एक रणनीतिक उपकरण के रूप में इस्तेमाल करना शुरू कर दिया है। सिंधु नदी पर बुनियादी ढांचे को मजबूत करके नई दिल्ली ने इस्लामाबाद को यह स्पष्ट संदेश दे दिया है कि यदि सीमा पार से आतंकवाद को बढ़ावा देना बंद नहीं किया गया, तो भारत के पास पाकिस्तान की जीवनरेखा की चाबी मौजूद है। इसके अलावा, यह क्षेत्र चीन की सीमा के भी बेहद करीब है। लद्दाख में भारत द्वारा बुनियादी ढांचे का इतनी तेजी से विकास करना, चाहे वह सड़कें हों, टनल हों या जल परियोजनाएं, बीजिंग और इस्लामाबाद के संयुक्त गठजोड़ को भी एक सीधी चुनौती है। भारत यह प्रदर्शित कर रहा है कि वह अपनी सीमाओं के भीतर किसी भी भौगोलिक स्थिति में बड़े और दूरगामी रणनीतिक प्रोजेक्ट्स को अंजाम देने की पूरी क्षमता रखता है।

अंततः, सिंधु नदी पर बनने वाले ये 36 रॉक डैम नए भारत की बदली हुई सोच और उसकी सामरिक परिपक्वता के प्रतीक हैं। एक तरफ जहां यह परियोजना लद्दाख के सीमावर्ती क्षेत्रों में रहने वाले नागरिकों के जीवन स्तर को सुधारेगी, कृषि को बढ़ावा देगी और पर्यावरण का संरक्षण करेगी, वहीं दूसरी तरफ यह भारत की क्षेत्रीय संप्रभुता को एक नई मजबूती प्रदान करेगी। पाकिस्तान के लिए इस पूरे घटनाक्रम में एक बड़ा सबक छिपा है। पाकिस्तान को यह समझना होगा कि भारत के खिलाफ आतंकवाद को हथियार बनाने की उसकी जिद अब खुद उसके लिए आत्मघाती साबित हो रही है। यदि पाकिस्तान अपनी कृषि और अर्थव्यवस्था को बचाना चाहता है, तो उसे भारत के साथ शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व का रास्ता चुनना होगा और आतंकवाद के रास्ते को हमेशा के लिए छोड़ना होगा। भारत का यह 'बड़ा धमाका' बिना एक भी गोली चलाए, अपनी सीमाओं को सुरक्षित करने और पड़ोसी देश की शत्रुतापूर्ण नीतियों को नियंत्रित करने की आधुनिक भूराजनीति का एक उत्कृष्ट उदाहरण है, जो आने वाले दशकों में दक्षिण एशिया के नक्शे और शक्ति संतुलन को स्थायी रूप से प्रभावित करेगा।

# आज के भटकते युवाओ को संभालने की जरूरतः डॉ कुमावत

देश के युवा किसी भी राष्ट्र की रीढ़ होते हैं। जिस देश का युवा अनुशासित और दिशावान होता है,उस देश का भविष्य उज्ज्वल होता है। देखा जाए तो आज के भारत में युवाओं के पास अवसरों का अंबार है, वे तकनीकी रूप से कुशल हैं और उनमें कुछ नया करने का अद्भुत जज्बा भी है, परंतु इस सकारात्मक पक्ष के समानांतर एक कड़वी सच्चाई यह भी है कि आज की युवा पीढ़ी का एक बड़ा हिस्सा दिशाहीनता और भटकाव का शिकार हो रहा है। और तो ओर आज की ललनाएं भी मार्ग भटकती नजर आ रही है,जिनको हमें समय रहते गलत मार्ग पर जाने से रोकना होगा। भटकाव के प्रमुख कारण आज के युवाओं में बढ़ते भटकाव के पीछे कई सामाजिक,मानसिक और तकनीकी कारण जिम्मेदार हैं जिनमें प्रमुख है सोशल मीडिया और आभासी दुनिया, इंटरनेट और सोशल मीडिया ने युवाओं को एक ऐसी आभासी दुनिया में धकेल दिया है जहां वे रीयल लाइफ से ज्यादा रील्स लाइफ को महत्व दे रहे हैं। लाइक,कमेंट और व्यूज की भूख ने उन्हें मानसिक रूप से अशांत कर दिया है।इस रील्स और इंटरनेट की लत ने तो,आज के युवाओं का कीमती समय और उनके ध्यान को भटकाने में कोई कमी नहीं छोड़ी है। इसके अलावा अत्यधिक उपजा तनाव युवाओं को मानसिक रूप से भी कमजोर कर रहा है,साथ ही आधुनिक शिक्षा प्रणाली में संस्कारों और मानवीय मूल्यों का हास हुआ है।बेरोजगारी और भविष्य की चिंताः कड़ी मेहनत और उच्च शिक्षा के बावजूद जब युवाओं को सही रोजगार नहीं मिलता,तो उनमें हताशा की भावना पनपने लगती है। यह निराशा उन्हें नशे,अपराध या अवसाद (डिप्रेशन) की ओर ले जाती है। पाश्चात्य संस्कृति और

नैतिक मूल्यों का ह्रासः आधुनिक बनने की अंधी दौड़ में युवा अपनी सांस्कृतिक जड़ों और नैतिक मूल्यों को भूलते जा रहे हैं। संयुक्त परिवारों का टूटना और बड़ों के मार्गदर्शन की कमी भी इस भटकाव को बढ़ावा देती है। अत्यधिक प्रतिस्पर्धा और दबावः माता-पिता और समाज की ऊंची आकांक्षाओं का बोझ युवाओं को हर समय तनाव में रखता है। असफल होने का डर उन्हें गलत कदम उठाने पर मजबूर कर देता है। भटकाव के दुष्परिणाम इस भटकाव के कारण समाज में अपराध,आत्महत्या की दर और मानसिक बीमारियां तेजी से बढ़ रही हैं। युवाओं की जो असीमित ऊर्जा देश के विकास में लगनी चाहिए थी,वह समय की बबार्दी और नकारात्मक गतिविधियों में नष्ट हो रही है।सुधार के उपाय और सही दिशा युवाओं को इस दलदल से निकालने के लिए समाज,परिवार और सरकार को मिलकर प्रयास करने होंगे। युवाओं के बारे में डॉ अब्दुल कलाम के वे सूत्र यहां प्रासंगिक लगते हैं। डॉ.कलाम भी अक्सर कहा करते थे की, युवा-शक्ति को सही दिशा मिलनी चाहिए अगर युवा भटक गए या गलत रास्ते पर चले गए तो युवा अपने साथ-साथ राष्ट्र को भी नुकसान पहुंचाएंगे। युवाओं को शिक्षा के साथ देश भक्ति नैतिकता और मानवीय मूल्यों के साथ जोड़ना बहुत ही जरूरी है ताकि युवा खुद के विकास के साथ-साथ राष्ट्र को भी आगे बढ़ा सके। सकारात्मक मार्गदर्शन और संवादः परिवारों में युवाओं के साथ मित्रवत व्यवहार होना चाहिए ताकि वे अपनी समस्याएं खुलकर साझा कर सकें।रोजगारपरक शिक्षाः शिक्षा प्रणाली में केवल किताबी ज्ञान के बजाय कौशल विकास पर जोर दिया जाना चाहिए ताकि युवा आत्मनिर्भर बन सकें।तकनीक का सीमित उपयोगः युवाओं को स्क्रीन टाइम घटाकर मैदानी खेलों,योग और रचनात्मक कार्यों (जैसे लेखन,कला, संगीत) में समय बिताना चाहिए।संस्कार और आध्यात्मः मानसिक शांति और दृढ़ता के लिए युवाओं को महापुरुषों के विचारों और अपनी सांस्कृतिक धरोहर से जोड़ना अनिवार्य है। निष्कर्षआज का युवा भटका हुआ जरूर है, लेकिन उसमें सुधार की संभावनाएं असीम हैं। वे भटके हुए नहीं हैं,बल्कि उन्हें सही दिशा की तलाश है। यदि उन्हें सही समय पर उचित मार्गदर्शन,सहयोग और अवसर मिले,तो वे न केवल अपने जीवन को संवार सकते हैं,बल्कि देश को भी उन्नति के शिखर पर ले जा सकते हैं। सकारात्मक मार्गदर्शन मिलने पर ही इस संदर्भ में समाधान होगा,वे सही दिशा तय कर पाएंगे। युवाओं पर दोष मढ़ने के बजाय बड़ों को उन्हें सही प्रेरणा और आदर्श मार्ग दिखाना चाहिए दूसरी तरफ युवाओं को भी अपनी ऊर्जा रचनात्मक और राष्ट्र निर्माण के कार्य में लगानी चाहिए। उन्हें अब मानसिक स्थिरता के लिए प्राचीन नैतिक मूल्यों और सकारात्मक संगति से जुड़ना आवश्यक है। समय रहते अपेक्षित सुधारो पर ध्यान दिया जाकर संभल जाते हैं, तो सच मानिए आज का युवा इस भटकाव से हटकर सकारात्मक सोच के साथ देश के विकास में मददगार होगा।

**अंशकालिक लेखकः डॉ राजेंद्र कुमावत चिराना**

# हिमालय ने फिर चेताया—अब भी नहीं संभले तो अगली बारी किसकी?

## पहाड़ की छाती चीरकर विकास, सैलाब ने खोल दी तबाही की किताब

-सुरेश गांधी

हिमालय की चोटियों पर बर्फ सदियों से जमा होती रही है। नदियां उन्हीं चोटियों से उतरकर सभ्यताओं को जीवन देती रही हैं। लेकिन इस बार उसी हिमालय ने ऐसी भयावह तस्वीर सामने रखी है, जिसमें पानी के साथ केवल मलबा नहीं बहा, बल्कि हजारों परिवारों के सपने, घर और अपने भी बह गए। 26 अगस्त की सुबह नेपाल-तिब्बत सीमा के पास शुरू हुई विनाशकारी घटनाओं की श्रृंखला अब एक बड़े मानवीय संकट में बदल चुकी है। 30 अगस्त की ताजा रिपोर्ट के अनुसार नेपाल में 734 और चीन के तिब्बत क्षेत्र में 16 लोगों की मौत हो चुकी है। दोनों क्षेत्रों में 3,044 लोग अब भी लापता हैं। नेपाल में अकेले 2,498 लोगों के लापता होने की सूचना है। 90 हजार से अधिक लोग प्रभावित हुए हैं। मलबे में दबे लोगों की तलाश, हेलीकॉप्टरों से बचाव और नष्ट हो चुके रास्तों को फिर खोलने का काम जारी है। लेकिन इस त्रासदी को सिर्फ 'कुदरत का कहर' कहकर आगे बढ़ जाना शायद इस हादसे से सबसे बड़ा अन्याय होगा।

### पहाड़ टूटा तो पानी नहीं, मौत की दीवार उतरी

प्रारंभिक वैज्ञानिक विश्लेषण के अनुसार करीब 5,200 मीटर की ऊंचाई पर ग्लेशियर और उसके नीचे की चट्टान का एक विशाल हिस्सा टूटकर नीचे आया। बर्फ, चट्टान और मलबे का यह एवलॉन्च नदी घाटी में पहुंचा और उसने पानी के प्रवाह को अस्थायी रूप से रोक दिया। इसके बाद बना अवरोध टूटा तो पानी और मलबे ने मिलकर ऐसी बाढ़ का रूप ले लिया, जिसने नीचे की बस्तियों को संभलने तक का अवसर नहीं दिया। यही इस आपदा की सबसे भयावह विशेषता थी—यह ऐसी बाढ़ नहीं थी जिसके आने की तैयारी के लिए घंटों का समय मिला हो। ऊंचे हिमालय में ऐसी घटनाओं में खतरे और तबाही के बीच का अंतर कई बार कुछ ही मिनटों का होता है। विशेषज्ञों के मुताबिक इस घटना में भी ऊपर से नीचे आते मलबे और पानी ने रास्ते में मौजूद हर कमजोर चीज को अपने साथ बहाया। सड़कें गईं, पुल गए, घर गए, बिजली परियोजनाएं प्रभावित हुईं और नदी किनारे मौजूद बस्तियों में रहने वालों को संभलने तक का समय नहीं मिला।

### ग्लेशियर टूटा, मगर सवाल बहुत बड़े हैं

यहां एक फर्क समझना जरूरी है। इस आपदा का तत्काल कारण मानवीय निर्माण को बताना वैज्ञानिक रूप से सही नहीं होगा। उपलब्ध विश्लेषण ग्लेशियर-चट्टान के ढहने और उसके बाद बनी विनाशकारी जल-मलबा धारा की ओर इशारा करते हैं। लेकिन इससे इंसान की जिम्मेदारी का सवाल खत्म नहीं होता। बल्कि सवाल और गंभीर हो जाता है—जब हमें मालूम है कि हिमालय तेजी से बदल रहा है, तब हमने उसके जोखिम वाले इलाकों में अपनी बस्तियां, सड़कें, परियोजनाएं और पर्यटन गतिविधियां कितनी समझदारी से बढ़ाई हैं? यही वह जगह है जहां प्राकृतिक खतरा और मानवीय असुरक्षा एक-दूसरे से जुड़ते हैं। वैज्ञानिकों का कहना है कि ग्लेशियरों का पीछे हटना और पर्माफ्रॉस्ट यानी जमी हुई मिट्टी और चट्टानों का कमजोर होना पर्वतीय ढलानों की स्थिरता को प्रभावित कर सकता है। इस घटना में भी ग्लेशियर के लंबे समय से पीछे हटने और ऊंचाई पर असामान्य गर्मी की भूमिका की जांच की जा रही है। हालांकि वैज्ञानिक यह भी स्पष्ट कर रहे हैं कि इस खास घटना में जलवायु परिवर्तन की सटीक

भूमिका तय करने में समय लगेगा। यानी प्रकृति का ट्रिगर प्राकृतिक हो सकता है, लेकिन तबाही का पैमाना इस बात से तय होता है कि इंसान उस खतरे के सामने कितना तैयार और कितना असुरक्षित खड़ा है।

### विकास जरूरी है, लेकिन पहाड़ की कीमत पर नहीं

हिमालयी देशों के सामने विकास की अपनी मजबूरियां हैं। सड़क चाहिए, बिजली चाहिए, पर्यटन चाहिए, रोजगार चाहिए। नेपाल जैसे देश के लिए जलविद्युत और पर्यटन अर्थव्यवस्था के महत्वपूर्ण आधार हैं। लेकिन सवाल यह है कि क्या हर पहाड़ी ढलान निर्माण योग्य है? क्या हर नदी किनारा बस्ती के लिए सुरक्षित है? क्या हर सड़क के लिए पहाड़ काटा जा सकता है? क्या हर जलविद्युत परियोजना के लिए नदी की प्राकृतिक संरचना से छेड़छाड़ उचित है? और सबसे बड़ा सवाल—क्या पर्यावरणीय चेतावनियों को विकास विरोधी सोच कहकर खारिज करना अब भी उचित है? वैज्ञानिकों ने यह भी रेखांकित किया है कि इस आपदा में बाढ़ के मैदानों में बने घर और निर्माण नुकसान के प्रति बेहद संवेदनशील थे। बढ़ते पर्यटन और व्यापार के कारण अब ऐसे क्षेत्रों में पहले की तुलना में कहीं अधिक लोग मौजूद रहते हैं। इसलिए समस्या केवल पहाड़ के टूटने की नहीं है। समस्या यह भी है कि पहाड़ के टूटने के रास्ते में इंसान कहां खड़ा है।

### एक आपदा खत्म नहीं हुई, दूसरी का डर सामने

नेपाल इस समय केवल बीती तबाही से नहीं जूझ रहा। ताजा रिपोर्टों के अनुसार भोटेकोशी नदी का जलस्तर फिर बढ़ रहा है और प्रशासन ने प्रभावित इलाकों में लोगों को सतर्क रहने को कहा है। चीन की ओर से भी बढ़े हुए जलप्रवाह की सूचना नेपाल को दी गई है। यानी जिन परिवारों ने अभी मलबे से अपने घरों के अवशेष निकाले भी नहीं हैं, उनके सामने फिर पानी का खतरा खड़ा है। यह स्थिति बताती है कि हिमालयी आपदाएं अब एकल घटना नहीं रह गई हैं। एक ग्लेशियर टूटता है। मलबा नदी रोकता है। अस्थायी झील बनती है। झील टूटती है। बाढ़ नीचे जाती है। ढलान कटती है। नए भूस्खलन का खतरा पैदा होता है। और फिर वही पानी किसी दूसरे इलाके के लिए खतरा बन जाता है। एक आपदा दूसरी आपदा को जन्म दे सकती है। संयुक्त राष्ट्र ने भी नेपाल की इस त्रासदी के संदर्भ में पहाड़ों में संभावित 'कास्केडिंग हैजर्ड' यानी एक के बाद एक पैदा होने वाले खतरों पर सतर्कता की जरूरत बताई है।

### हिमालय की सीमा नहीं, इसलिए खतरा भी सीमाहीन

नेपाल की त्रासदी का असर केवल नेपाल तक सीमित नहीं है। भोटेकोशी और त्रिशूली जैसी नदियों का जलतंत्र आगे चलकर भारत में नारायणी-गंडक प्रणाली से जुड़ता है। इसलिए नेपाल में अचानक बढ़े जलप्रवाह का असर भारत के सीमावर्ती और निचले इलाकों पर भी पड़ सकता है। बिहार में पहले ही नेपाल और बिहार में जारी बारिश के बीच कई नदियों के बढ़ते जलस्तर को लेकर सतर्कता बढ़ाई गई है। यह हिमालय का सबसे बड़ा सच है—राजनीतिक सीमाएं पहाड़ों को बांट सकती हैं, नदियों को नहीं। नेपाल में ग्लेशियर टूटे तो उसकी चिंता भारत को भी करनी होगी। उत्तराखंड में पहाड़ दरके तो उसका सबक हिमाचल को भी लेना होगा। हिमालय के एक हिस्से में जलवायु बदलती है तो उसका असर पूरे पर्वतीय पारिस्थितिकी तंत्र पर पड़ता है।

### क्या हम आपदा से पहले जागेंगे?

हर बड़ी त्रासदी के बाद एक ही कहानी दोहराई जाती है। मुआवजे की घोषणा। राहत पैकेज। हेलीकॉप्टर। जांच समिति। कुछ दिन तक बहस। फिर सब शांत। और उसके बाद उसी पहाड़ पर अगली परियोजना की नींव। नेपाल की त्रासदी हमें इस चक्र को तोड़ने का अवसर दे रही है। ग्लेशियरों की निगरानी बढ़ानी होगी। संवेदनशील ग्लेशियल झीलों और संभावित भूस्खलन क्षेत्रों की लगातार उपग्रह और जमीनी निगरानी जरूरी है। शुरूआती चेतावनी प्रणाली को नदी घाटियों तक पहुंचाना होगा। बाढ़ के प्राकृतिक मैदानों में निर्माण पर कठोरता से विचार करना होगा। पहाड़ी परियोजनाओं के लिए केवल आर्थिक लाभ नहीं, बल्कि वहन क्षमता और संचयी पर्यावरणीय जोखिम भी निर्णय का आधार बनना चाहिए। और सबसे जरूरी–स्थानीय लोगों को केवल आपदा के बाद राहत पाने वाला समुदाय नहीं, बल्कि आपदा से पहले चेतावनी पाने वाला सबसे महत्वपूर्ण साझेदार बनाना होगा। प्रकृति बदला नहीं लेती। वह सिर्फ अपना संतुलन वापस मांगती है। हमने पहाड़ों को काटा तो उसने दरार दिखाई। हमने नदियों के किनारे निर्माण किया तो उसने अपना रास्ता याद दिलाया। हमने ग्लेशियरों को केवल दूर की बर्फ समझा तो उसने पिघलते हिमालय का खतरा हमारे दरवाजे तक पहुंचा दिया। नेपाल में मारे गए लोग केवल आंकड़ा नहीं हैं। 3,000 से अधिक लापता लोग केवल एक संख्या नहीं हैं। वे किसी के पिता हैं, किसी की मां हैं, किसी के बच्चे हैं, किसी के घर की उम्मीद हैं। और इसीलिए यह सवाल नेपाल से बहुत आगे जाता है– क्या विकास का अर्थ पहाड़ को जीतना है या उसके साथ जीना सीखना? सड़कें बनेंगी। सुरंगें बनेंगी। बिजली बनेगी। पर्यटन बढ़ेगा। शहर फैलेंगे। लेकिन अगर विकास की इस दौड़ में हमने हिमालय की सहनशक्ति को ही खत्म कर दिया तो एक दिन हमारी उपलब्धियों का हिसाब भी वही पहाड़ करेगा, जिसकी छाती पर हमने विकास की इबारत लिखी है। नेपाल का सैलाब सिर्फ तबाही की कहानी नहीं है। यह हिमालय की वह चेतावनी है, जिसे अगर अब भी नहीं पढ़ा गया तो अगली आपदा का सवाल 'कहां?' नहीं होगा—सवाल होगा, 'कितनी बड़ी? प्रकृति को हराने की नहीं, समझने की जरूरत है। क्योंकि हिमालय झुक सकता है, लेकिन उसकी उपेक्षा का हिसाब जरूर चुकता होता है।

## रक्तबंधन में उत्साहपूर्वक रक्तदान, पुलिस स्टाफ ने भी बढ़-चढ़कर लिया हिस्सा

**मीरा भायंदर (उत्तरशक्ति)।** भायंदर में 30 अगस्त 2026 ब्रह्माकुमारीज, भायंदर पूर्व में राजयोगिनी प्रकाशमणि दादी की 19वीं पुण्यतिथि के अवसर पर लखदातार सेवा ट्रस्ट के सहयोग से भव्य रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। रक्त का बंधन, जीवन का संरक्षण संदेश के साथ आयोजित इस सेवा कार्यक्रम में नागरिकों ने उत्साहपूर्वक रक्तदान किया। रक्तदान शिविर का उद्घाटन आमदार नरेंद्र मेहता के हाथों किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में नागरिकों ने रक्तदान कर मानव सेवा का संदेश दिया। विशेष रूप से भायंदर पुलिस स्टेशन के पुलिस अधिकारी एवं कर्मचारियों ने भी बढ़-चढ़कर रक्तदान में हिस्सा लिया और सेवा, समर्पण एवं मानवता की प्रेरणादायी मिसाल पेश की। कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए बीके भानु बहन ने सभी रक्तदाताओं, अतिथियों, चिकित्सा टीम, स्वयंसेवकों एवं सहयोगकताओं के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि रक्तदान मानव जीवन को बचाने का सबसे बड़ा और महत्वपूर्ण सेवा कार्य है। इस अवसर पर बीके सीमा, बीके भगवती, महेश गुप्ता, प्रदीप सराफ, रतन टिबरेवाला, संदीप अग्रवाल, बाबूलाल शर्मा, पवन अग्रवाल, विकास घोष, नरेंद्र टांक, भाजपा जिलाध्यक्ष दिलीप जैन, महामंत्री ज्ञानेंद्र सिंह, रथिन दत्ता एवं नगरसेविका आकांक्षा वीरकर की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम का मंच संचालन देवेन्द्र पोरवाल ने किया। शिविर के माध्यम से लोगों को नियमित रक्तदान के प्रति जागरूक करते हुए यह संदेश दिया गया कि रक्तदान केवल एक सामाजिक सेवा नहीं, बल्कि किसी जरूरतमंद व्यक्ति के जीवन को बचाने का महत्वपूर्ण माध्यम भी है। वक्ताओं ने कहा कि एक रक्तदान किसी जरूरतमंद और उसके परिवार के जीवन में नई उम्मीद ला सकता है। रक्तदान शिविर में लोगों के उत्साह और पुलिस स्टाफ की सक्रिय भागीदारी ने यह साबित कर दिया कि समाज के प्रति सामूहिक सेवा और मानवीय संवेदनाओं के माध्यम से जरूरतमंदों के जीवन में बड़ा बदलाव लाया जा सकता है।

## भिवंडी में समाजवादी पार्टी में बड़ा फेरबदल, रियाज आजमी बने शहर अध्यक्ष

**भिवंडी (उत्तरशक्ति)।** समाजवादी पार्टी ने भिवंडी शहर कमेटी में एक बार फिर फेरबदल करते हुए रियाज आजमी को भिवंडी शहर अध्यक्ष नियुक्त किया है। पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष अबू आसिम आजमी ने मुंबई में आयोजित कार्यक्रम के दौरान रियाज आजमी को नियुक्ति पत्र सौंपा। रियाज आजमी इससे पहले पार्टी में प्रदेश सचिव की जिम्मेदारी संभाल रहे थे। वहीं अब तक शहर अध्यक्ष रहे अनस अंसारी को पद से हटाकर रियाज आजमी के रिक्त हुए प्रदेश सचिव पद की जिम्मेदारी सौंपी गई है। अनस अंसारी का शहर अध्यक्ष के रूप में कार्यकाल कुछ ही महीनों का रहा। नियुक्ति कार्यक्रम में पूर्व उपमहापौर अहमद हुसैन सिद्दीकी, रियाज ताहिर शेख, मतलूब सरदार, हमीद शेख, फारूक आजमी, अफाक फारुकी, मुनव्वर शेख, सगीर अंसारी, शकील अंसारी, सुल्तान अंसारी, हासिब खान, बाबू शफीक सहित पार्टी के कई पदाधिकारी मौजूद थे। रियाज आजमी को अबू आजमी का निष्ठावान कार्यकर्ता माना जाता है। समाजवादी पार्टी के विधायक रईस शेख के पार्टी से अलग होने के बाद भिवंडी में संगठन को नए सिरे से मजबूत करने और पार्टी की मोचेबंदी की जिम्मेदारी अब रियाज आजमी के कंधों पर आ गई है। माना जा रहा है कि आगामी दिनों में पार्टी विस्तार और कार्यकताओं को एकजुट करना उनके सामने प्रमुख चुनौती होगी।

## धानकर नाका मित्र मंडल पंडाल में गणपति बप्पा का ढोल-ताशों के साथ भव्य आगमन

**भिवंडी (उत्तरशक्ति)।** भिवंडी के एकता के राजा के नाम से प्रसिद्ध धामणकर नाका मित्र मंडल की 13 फीट ऊंची पर्यावरण अनुकूल शाडू मिट्टी से निर्मित गणेश प्रतिमा का शनिवार देर शाम ढोल-ताशों और आतिशबाजी के बीच भव्य आगमन हुआ। लगातार दो वर्षों तक राज्य सरकार की सर्वश्रेष्ठ सार्वजनिक गणेशोत्सव मंडल प्रतियोगिता में पूरे ठाणे जिले में प्रथम पुरस्कार हासिल करने वाले इस मंडल के गणराय के आगमन को लेकर श्रद्धालुओं में खासा उत्साह दिखाई दिया। आगमन समारोह का शुभारंभ धामणकर नाका मित्र मंडल के संस्थापक संतोष शेट्टी के हाथों नारियल फोड़कर किया गया। इसके बाद ढोल-ताशों की गूंज और आतिशबाजी के बीच गणेश प्रतिमा की भव्य शोभायात्रा निकाली गई। मंडल द्वारा इस वर्ष गणेशोत्सव के 38वें वर्ष में वाराणसी स्थित सर्वेद महामंदिर धाम की 110 फीट ऊंची भव्य और पर्यावरण अनुकूल प्रतिकृति साकार की जा रही है। इस भव्य प्रतिकृति को लेकर भी नागरिकों में उत्सुकता बनी हुई है। आगमन समारोह में धामणकर नाका मित्र मंडल एवं स्वाभिमान सेवा संस्था के प्रमुख पदाधिकारी तथा नगरसेवक राजेश शेट्टी, हसमुख पटेल, दिलीप पोद्दार सहित अन्य पदाधिकारी और सैकड़ों कार्यकर्ता शामिल हुए।

## मीरा-भायंदर में गणेशोत्सव की रौनक, सजावट प्रतियोगिता के विजेताओं पर पुरस्कारों की बौछार

**◆लता मंगेशकर रंगमंच के बंद एसी पर मंत्री प्रताप सरनाईक का नगर प्रशासन पर तीखा प्रहार; नागरिकों से 100 रुपये का मनी ऑर्डर भेजने की अपील**

**मीरा-भायंदर (उत्तरशक्ति)।** एक ओर गणेशोत्सव की रौनक, विजेताओं के चेहरों पर खुशी और पुरस्कारों की बौछार, तो दूसरी ओर बंद एयर कंडीशनिंग के कारण भीषण गर्मी में पसीने से तरबतर नागरिक और अव्यवस्थित व्यवस्थाओं को लेकर नाराजगी। मीरा रोड पूर्व स्थित गणेश क्वीन लता मंगेशकर रंगमंच में आयोजित शहीद मेजर कौस्तुभ राणे मेमोरियल गणपति सजावट प्रतियोगिता 2025 के पुरस्कार वितरण समारोह के दौरान यह दृश्य चर्चा का विषय बन गया। महाराष्ट्र राज्य परिवहन मंत्री एवं धाराशिव जिले के पालक मंत्री प्रताप इंदिराबाई बाबूराव सरनाईक के मार्गदर्शन में प्रताप सरनाईक फाउंडेशन तथा शिवसेना मीरा-भायंदर शहर की ओर से आयोजित इस समारोह में सार्वजनिक एवं घरेलू गणपति सजावट प्रतियोगिता के विजेताओं को सम्मानित किया गया। हालांकि, समारोह के दौरान लता मंगेशकर रंगमंच की दयनीय व्यवस्था और बंद एसी को लेकर मंत्री प्रताप सरनाईक ने मीरा-भायंदर नगर निगम प्रशासन की कार्यप्रणाली पर तीखा निशाना साधा। पर्यावरण अनुकूल सजावट को मिला प्रोत्साहन प्रतियोगिता में पर्यावरण के अनुकूल गणेश सजावट पर विशेष जोर दिया गया। सार्वजनिक

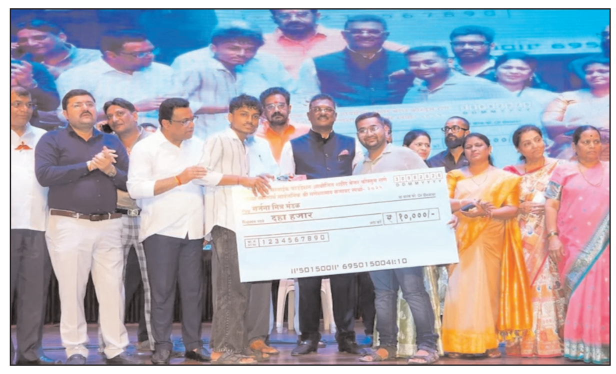

गणेशोत्सव मंडलों की प्रतियोगिता में साईनाथ मित्र मंडल ने प्रथम स्थान प्राप्त कर 1 लाख रुपये नकद पुरस्कार एवं प्रशस्ति पत्र हासिल किया। शीतल नगर सार्वजनिक गणेशोत्सव मंडल को द्वितीय स्थान के लिए 50 हजार रुपये नकद पुरस्कार एवं प्रशस्ति पत्र, जबकि शांतिनगर सार्वजनिक गणेशोत्सव मंडल, सेक्टर-2 को तृतीय स्थान के लिए 25 हजार रुपये नकद पुरस्कार एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया।

इसके अलावा गर्जना मित्र मंडल को प्रोत्साहन पुरस्कार के रूप में 10 हजार रुपये नकद पुरस्कार एवं प्रशस्ति पत्र दिया गया। मंत्री प्रताप सरनाईक ने 10 विशेष सार्वजनिक गणेशोत्सव मंडलों को भी 10-10 हजार रुपये नकद पुरस्कार एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया।

घरेलू गणपति सजावट प्रतियोगिता में प्रत्येक वार्ड से चयनित कुल 272 विजेताओं को सम्मानित किया गया। प्रथम पुरस्कार के रूप में 5 हजार रुपये, द्वितीय पुरस्कार 3 हजार रुपये, तृतीय पुरस्कार 2 हजार रुपये तथा प्रोत्साहन पुरस्कार के रूप में 1 हजार रुपये नकद राशि और योग्यता प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। मंत्री के कार्यक्रम में बंद मिला एसी, प्रशासन पर भड़के सरनाईक पुरस्कार वितरण समारोह के दौरान रंगमंच में फैली भीषण गर्मी ने उपस्थित नागरिकों और अतिथियों को परेशान कर दिया। जब यह जानकारी सामने आई कि रंगमंच का एयर कंडीशनिंग सिस्टम खराब है, तो मंत्री प्रताप सरनाईक ने नगर प्रशासन की कार्यप्रणाली और रखरखाव व्यवस्था पर कड़ी नाराजगी व्यक्त की। मंत्री सरनाईक ने कहा कि मीरा-भायंदर नगर निगम का एक रुपया भी खर्च किए बिना राज्य सरकार के 200 करोड़ रुपये से अधिक के खर्च से लता मंगेशकर रंगमंच और हिंदू हृदय सम्राट बालासाहेब ठाकरे आर्ट गैलरी का निर्माण किया गया और इन्हें मीरा-भायंदर की सांस्कृतिक पहचान को मजबूत करने के उद्देश्य से नगर निगम को सौंपा गया। उन्होंने आरोप लगाया कि रंगमंच से प्रतिवर्ष करोड़ों रुपये की आय होने के बावजूद यहां आने वाले आम दर्शकों को मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध नहीं हो रही हैं। मंत्री ने कहा कि जहां नागरिक गर्मी में परेशान होते हैं, वहीं प्रशासन को रंगमंच की सुविधाओं और रखरखाव की पर्याप्त चिंता नहीं दिखाई देती।

## किरन चंपालाल जायसवाल का निधन

**मुंबई(उत्तरशक्ति)।** जायसवाल परिवार के लिए रविवार का दिन अत्यंत दुःखद रहा। किरन चंपालाल जायसवाल निवासी लक्ष्मी चाल, रामनगर डग, टेम्बी पाड़ा पाइप लाइन रोड, भांडुप पश्चिम, मुंबई का 30 अगस्त 2026 को दोपहर करीब 2 बजे निधन हो गया। उनके निधन की खबर मिलते ही परिवार, रिश्तेदारों, मित्रों एवं परिचितों में शोक की लहर दौड़ गई।

स्वर्गीय किरन चंपालाल जायसवाल के निधन से परिवार में गहरा दुःख व्याप्त है। उनके भाई श्याम सुंदर जायसवाल एवं प्रकाश जायसवाल सहित समस्त जायसवाल परिवार ने उनके निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया। परिजनों ने कहा कि किरन चंपालाल जायसवाल का निधन परिवार के लिए अपूरणीय क्षति है। उनके जाने से परिवार ने अपने एक प्रिय सदस्य को खो दिया है, जिसकी कमी हमेशा महसूस होती रहेगी। परिवारजनों एवं शुभचिंतकों ने दिवंगत आत्मा को भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए ईश्वर से प्रार्थना की कि पुण्यात्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान प्रदान करें तथा शोकाकुल परिवार को इस अपार दुःख को सहन करने की शक्ति प्रदान करें।

## विधायक दिलीप लांडे द्वारा आयोजित भव्य कांवड़ यात्रा में हजारों श्रद्धालुओं का जनसैलाब उमड़ा

**◆चांदिवली की कांवड़ यात्रा में गूंजा ह्रहर हर महादेव और बम बम भोले का जयघोष**

**मुंबई (उत्तरशक्ति)।** चांदिवली में श्रावण मास के अवसर पर प्रतिवर्ष आयोजित होने वाली भव्य कांवड़ यात्रा को हिंदू श्रद्धालुओं का उत्स्फूर्त प्रतिसाद मिला। रविवार, 30 अगस्त को शिवसेना चांदिवली विधानसभा क्षेत्र की ओर से विधायक दिलीप (मामा) लांडे के नेतृत्व में हिंदू संस्कृति और परंपरा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से इस कांवड़ यात्रा का आयोजन किया गया।

शीतल तालाब से शुरू हुई यह कांवड़ यात्रा काजूपाड़ा पाइपलाइन मार्ग होते हुए श्री शंभो महादेव मंदिर तक पहुंची। भगवान शिव के जयघोष,

भगवा ध्वजों, डीजे पर बज रहे भक्ति गीतों और आतिशबाजी के बीच हजारों श्रद्धालुओं ने यात्रा में हिस्सा लिया। पूरे मार्ग पर हर हर महादेव और बम बम भोले के जयघोष से वातावरण भक्तिमय हो गया। कांवड़ यात्रा में बड़ी संख्या में उत्तर भारतीय महिलाएं भगवा साड़ी पहनकर घागर और कलश लेकर शामिल हुईं। वहीं, सैकड़ों पुरुष भगवा कुर्ते पहनकर कांवड़ लेकर यात्रा में सहभागी हुए। यात्रा के दौरान भगवान शिव की दो भव्य प्रतिमाओं के आकर्षक झांकी स्वरूप दर्शन भी कराए गए।इस अवसर पर तीर्थक्षेत्र काशी से विशेष रूप से लाया गया पवित्र जल श्री शंभो महादेव की पिंडी पर अर्पित कर जलाभिषेक किया गया। श्रद्धालुओं ने चांदिवली के विकास और क्षेत्र की सुख-समृद्धि के लिए भगवान शंभो महादेव से प्रार्थना की।

विधायक एवं विभागप्रमुख दिलीप लांडे ने कहा कि भगवा ताकत, शक्ति और भक्ति को एकजुट कर महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के समर्थन में तथा महाराष्ट्र में हिंदुत्ववादी शिवसेना-भाजपा सरकार के पीछे भगवा शक्ति खड़ी करने के उद्देश्य से इस कांवड़ यात्रा का आयोजन किया गया है। इस अवसर पर चांदिवली की नगरसेविका शैला दिलीप लांडे, युवा सेना महाराष्ट्र कार्यकारिणी अध्यक्ष प्रयाग दिलीप लांडे, प्रणव दिलीप लांडे, शाखाप्रमुख नितीन गोखले, शैलेश निंबाळकर, बाबू मोरे, प्रदीप बंड सहित उत्तर भारतीय संघ चांदिवली के राष्ट्रीय अध्यक्ष रामप्रसाद दुबे, महिला तालुकाध्यक्ष सरिता मिश्रा तथा शिवसेना के पदाधिकारी और कार्यकर्ता बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

## अजीत पवार को नमन कर सुनेत्रा पवार के साथ लिया गया विकास का संकल्प

**मुंबई (उत्तरशक्ति)।** रक्षाबंधन के अवसर पर महाराष्ट्र के पूर्व उपमुख्यमंत्री अजितदादा पवार साहेब की स्मृति को नमन करते हुए राकांपा (अजित पवार गुट) की राष्ट्रीय अध्यक्ष व महाराष्ट्र की उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा अजित पवार, राज्य के अन्न नागरी पुरवठा मंत्री छगन भुजबल, राकांपा महिला आघाड़ी की महाराष्ट्र वैशालीताई नागवडे, महिला आघाड़ी की मुंबई अध्यक्ष आरतीताई सालवी, मुंबई सचिव ममता शर्मा समेत बड़ी तादाद में पदाधिकारियों की उपस्थिति में उनके स्मृति स्थल पर उन्हें राखी बांधकर एक भावपूर्ण संकल्प लिया गया। राकांपा महिला आघाड़ी की मुंबई प्रदेश सचिव ममता शर्मा ने इस भावुक पल पर कहा कि दादा की याद

और उनके विकासवादी विचारों को हमेशा अपने साथ रखते हुए, सुनेत्रा अजित पवार वहिनी के साथ हम महिला एवं युवा सशक्तीकरण के लिए पूरी ताकत और समर्पण के साथ कार्य करते रहेंगे। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र की हर महिला आत्मनिर्भर और स्वावलंबी बने, हर युवा कौशलवान, सक्षम और रोजगारक्षम बने और समाज के प्रत्येक वर्ग को विकास का अवसर मिले, इसी उद्देश्य से निरंतर कार्य करने का हमारा संकल्प है। ममता शर्मा ने कहा कि महिला सशक्त होंगी तभी परिवार सशक्त होगा। ममता शर्मा ने कहा कि दादा के विकासवादी विचारों को आगे बढ़ाना और महाराष्ट्र को प्रगति के पथ पर और मजबूत बनाना ही हमारी सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

## आर.एस.एस. की सामाजिक सद्भाव बैठक संपन्न

**◆विभिन्न समाजों के प्रतिनिधियों ने साझा किये विचार**

**◆आपसी भाईचारा, संवाद और सहयोग से सामाजिक समरसता मजबूत करने का आहवान**

**पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)।** राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की ओर से रविवार 30 अगस्त 2026 को बोईसर स्थित टीमा हॉल में सामाजिक सद्भाव बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में विभिन्न समाजों एवं संप्रदायों के करीब 200 प्रमुख प्रतिनिधियों, प्रबुद्धजनों एवं गणमान्य नागरिकों ने सहभागिता करते हुए सामाजिक समरसता, आपसी भाईचारे, सहयोग और समन्वय को मजबूत करने पर अपने विचार रखे।

कार्यक्रम का शुभारंभ भारत माता के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन एवं भारत माता की जय के उद्घोष के साथ किया गया। इसके पश्चात विभिन्न समाजों के प्रतिनिधियों ने अपने-अपने समाज की परंपराओं, संस्कारों, सामाजिक मूल्यों, सेवा गतिविधियों एवं समाज के प्रति योगदान की जानकारी साझा की। इस अवसर पर न्यू बृजवासी स्वीट्स के संचालक जितेन्द्र अग्रवाल ने महाराजा अग्रसेन की समाजसेवा एवं परोपकार की परंपरा का उल्लेख किया। उन्होंने बताया कि महाराजा अग्रसेन के समय किसी नये व्यक्ति के गांव में आकर बसने पर प्रत्येक

परिवार की ओर से उसे एक ईंट और एक रुपया दिया जाता था। ईंट से वह अपना घर बनाता था, जबकि एक रुपये से व्यवसाय शुरू कर आत्मनिर्भर बनने की दिशा में आगे बढ़ता था। उन्होंने इस परंपरा को सहयोग, स्वावलंबन और मानवता का प्रेरणादायी उदाहरण बताया। बैठक में उपस्थित विभिन्न समाजों के प्रतिनिधियों ने अपने समाज की विशेषताओं तथा सामाजिक एवं सेवा कार्यों पर प्रकाश डाला। वक्ताओं ने कहा कि आपसी विश्वास, सम्मान, संवाद और सहयोग के माध्यम से ही समाज में वास्तविक समरसता स्थापित की जा सकती है। सभी समाजों को एक-दूसरे की परंपराओं एवं भावनाओं का सम्मान करते हुए समाजहित और राष्ट्रहित में मिलकर कार्य करने की आवश्यकता पर भी जोर दिया गया। कार्यक्रम में रोटरी क्लब ऑफ बोईसर तारापुर के तत्कालीन इंस्पायर अध्यक्ष रामनारायण गोयल एवं पूर्व अध्यक्ष विनायक पदमवार की उपस्थिति उल्लेखनीय रही। वहीं विनोद बाजपेयी एवं राकेश वैद्य ने मंच संचालन और समय प्रबंधन की जिम्मेदारी कुशलतापूर्वक संभाली। कार्यक्रम की सफलता में आयोजन समिति के सचिन बडगुजर, विनोद बाजपेयी, श्रीपाद तलवेलकर एवं श्याम करवीर ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। आगंतुकों के लिए सुबह अल्पाहार तथा दोपहर में सात्विक भोजन की व्यवस्था भी की गई थी।

कार्यक्रम के प्रमुख अतिथि एवं कोंकण प्रांत संघचालक अर्जुन चांदेकर ने अपने संबोधन में सामाजिक समरसता के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि विभिन्न समाजों के बीच आपसी सम्मान, संवाद और सहयोग की भावना को मजबूत करना वर्तमान समय की आवश्यकता है। उन्होंने समाजहित एवं राष्ट्रहित में सभी को साथ मिलकर कार्य करने का आहवान किया। समापन अवसर पर श्रीपाद तलवेलकर ने मुख्य अतिथि, गणमान्य व्यक्तियों एवं सभी आगंतुकों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने टीमा हॉल प्रशासन तथा कार्यक्रम की व्यवस्थाओं में सहयोग करने वाले सभी स्वयंसेवकों के प्रति भी विशेष धन्यवाद ज्ञापित किया।

## शरद पवार को मराडेपाड़ा के छत्रपति शिवाजी महाराज मंदिर आने का मिला निमंत्रण

**भिवंडी (उत्तरशक्ति)।** महाराष्ट्र में भिवंडी तालुका के मराडेपाड़ा स्थित श्री छत्रपति शिवाजी महाराज मंदिर में दर्शन के लिए राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष शरद पवार को निमंत्रण दिया गया है। शिवक्रांति प्रतिष्ठान के संस्थापक राजूभाऊ चौधरी ने मुंबई स्थित सिल्वर ओक निवास पर शरद पवार से मुलाकात कर उन्हें मंदिर आने का निमंत्रण दिया। इस सद्भावना मुलाकात के दौरान वृक्षप्रेमी तानाजी फणसे, उद्यमी सूर्यकांत रसाल, एयरपोर्ट प्रोटोकॉल ऑफिसर दिलीप शेडमेकर तथा एडवोकेट सिद्धेश गायकवाड उपस्थित थे। मुलाकात के दौरान राजूभाऊ चौधरी ने शिवक्रांति प्रतिष्ठान की ओर से विकसित शिवक्षेत्र मराडेपाड़ा में स्थित श्री छत्रपति शिवाजी महाराज मंदिर एवं शक्तिपीठ की सचित्र जानकारी शरद पवार को दी और उन्हें इस ऐतिहासिक एवं पवित्र स्थल पर दर्शन के लिए आमंत्रित किया।मंदिर से संबंधित जानकारी वाली पुस्तिका देखने के बाद शरद पवार ने इस कार्य की सराहना की। राजूभाऊ चौधरी के अनुसार, पवार ने जल्द ही मराडेपाड़ा स्थित इस पवित्र स्थल का दौरा कर दर्शन करने का आश्वासन दिया है।

## चन्द्र-मालती मेधा छात्रवृत्ति वितरण एवं कवि सम्मेलन संपन्न

**पालघर (उत्तरशक्ति)।** बोईसर पूर्व स्थित आशादीप विद्यामंदिर हाईस्कूल के परिसर में मेधावी विद्यार्थियों के सम्मान के साथ चन्द्र-मालती मेधा छात्रवृत्ति वितरण समारोह एवं कवि सम्मेलन उत्साहपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। बीते शैक्षणिक सत्र की परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को मेधा छात्रवृत्ति प्रदान कर उनकी उपलब्धियों का सम्मान किया गया। वहीं, कवि सम्मेलन में कवियों ने अपनी रचनाओं के माध्यम से सामाजिक सरोकार, नारी शक्ति, युवा पीढ़ी, गुरु-महिमा और जीवन मूल्यों को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया।

कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती की वंदना एवं अतिथियों के स्वागत के साथ हुआ। समारोह में संस्था के पदाधिकारियों, संस्थापक प्रकाश त्रिपाठी, एस.एस. तिवारी, विद्यालय के मुख्याध्यापक हरिओम

शरण मिश्र, शिक्षक-शिक्षिकाओं, विद्यार्थियों एवं अभिभावकों की उपस्थिति रही। कवि दीपक दीप श्रीवास्तव ने अपनी प्रभावशाली रचनाओं से श्रोताओं को भाव-विभोर कर दिया। उनकी पंक्तियां– अपनी आदत बदल नहीं पाता, झूठ के साथ चल नहीं पाता। कैसे रोशन करे जमाने को, दीप बिन तेल जल नहीं पाता।

ने खूब तालियां बटोरीं। गुरुजनों को समर्पित अपनी रचना में उन्होंने कहा– मेरी कला की साधना का नित नया विन्यास हो, साहित्य में संदेश हो–माधुर्य हो–उल्लास हो। पथ से कभी भटकूं नहीं, सन्मार्ग पर चलता रहूं, आशीष हो गुरु आपका, मुझ पर सदा विश्वास हो।

## समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता राकेश अहीर का नालासोपारा में स्वागत

**पालघर, नलासोपारा।** पालघर जिला के नालासोपारा में समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता राकेश अहीर का पार्टी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं द्वारा भव्य स्वागत समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर उन्हें शॉल, श्रीफल एवं भगवान की प्रतिमा भेंट कर सम्मानित किया गया।

स्वागत समारोह के दौरान राष्ट्रीय प्रवक्ता राकेश अहीर ने समाजवादी पार्टी के विचारों, नीतियों एवं सामाजिक सरोकारों पर पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं के साथ विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कार्यकर्ताओं से संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत करने का आह्वान करते हुए कहा कि आगामी 2027 के विधानसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी को पूर्ण बहुमत दिलाने के लिए सभी कार्यकर्ताओं को एकजुट होकर कार्य करना होगा तथा अखिलेश यादव को मुख्यमंत्री बनाने के

लक्ष्य के साथ आगे बढ़ना होगा। इस दौरान उन्होंने भाजपा सरकार की नीतियों पर सवाल उठाते हुए महंगाई, रोजगार और बेरोजगारी जैसे मुद्दों को लेकर सरकार की आलोचना की। उन्होंने कहा कि आज आम जनता महंगाई और बेरोजगारी की समस्या से परेशान है। उन्होंने रोजगार, नौकरी और आम जनता से जुड़े मुद्दों को प्राथमिकता देने की आवश्यकता पर जोर दिया। राकेश अहीर ने कहा कि समाजवादी पार्टी हमेशा सामाजिक न्याय, समानता और आम जनता के हितों की आवाज उठाती रही है। उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं से समाज के सभी वर्गों के बीच जाकर संगठन को मजबूत करने तथा पार्टी की नीतियों एवं विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया। कार्यक्रम के दौरान पार्टी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं में उत्साह देखने को मिला। सभी ने संगठन को मजबूत करने और आगामी चुनाव में पार्टी के पक्ष में मजबूती से कार्य करने का संकल्प लिया। इस भव्य स्वागत समारोह में प्रमुख रूप से शिवचरण यादव, अरुण यादव, अजय प्रजापति, लालू यादव, समाजसेवी एवं बिल्डर उमेश यादव, इंद्रजीत यादव सहित समाजवादी पार्टी के अनेक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।


उत्तरशक्ति

* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द

उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।

**पत्राचार कार्यालय:**

उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)

मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37

मो.- 9554493941

email ID- uttarshaktinews@gmail.com



**स्वामीः शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति** द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * **संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति,** समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
**पत्राचार कार्यालयः** मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, **मो.-** 9554493941 **email ID- uttarshaktinews@gmail.com**

# तीन शातिर अपराधियों पर 50-50 हजार का इनाम, पुलिस ने कसा शिकंजा

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिले में वांछित शातिर अपराधियों के खिलाफ पुलिस ने शिकंजा कसना शुरू कर दिया है। पुलिस उपमहानिरीक्षक, वाराणसी परिक्षेत्र द्वारा मुकदमों में वांछित तीन आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए 50-50 हजार रुपये का इनाम घोषित किया गया है।

इनामी आरोपियों में जानसन यादव पुत्र लालता यादव निवासी बनपुरवा थाना मड़ियाहूं, सचिन यादव उर्फ देवा पुत्र महेन्द्र यादव निवासी देवापार बनपुरवा थाना मड़ियाहूं तथा कुन्दन यादव पुत्र विजय यादव निवासी ग्राम उटरूखुर्द थाना बक्सा शामिल हैं।

**वाराणसी परिक्षेत्र के डीआईजी ने घोषित किया इनाम, मड़ियाहूं और बक्सा थाने के मुकदमों में हैं वांछित**

पुलिस के अनुसार, जानसन यादव और सचिन यादव उर्फ देवा के खिलाफ थाना नेवढ़िया में मु0अ0सं0-117/2026 दर्ज है। मामले में बीएनएस की धारा 109(1), 115(2), 117(2), 118(1), 191(2), 191(3), 3(5), 351(3) और 352 के तहत मुकदमा पंजीकृत है।

वहीं, कुन्दन यादव के खिलाफ थाना बक्सा में मु0अ0सं0-434/2026 दर्ज है। उसके विरुद्ध धारा 308(5) और 351(3) बीएनएस के तहत मुकदमा पंजीकृत किया गया है।

पुलिस अधिकारियों के निर्देश पर तीनों वांछित आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीमें द्वारा लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। इनाम घोषित होने के बाद पुलिस ने अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए कार्रवाई और तेज कर दी है।

# स्वर्णकार समाज अध्यक्ष पद के चुनाव में त्रिकोणीय मुकाबला, 30 अगस्त को मतदान

विशाल सोनी

शाहगंज,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। स्वर्णकार समाज शाहगंज के अध्यक्ष पद के लिए 30 अगस्त को होने वाले चुनाव को लेकर चुनावी सरगर्मी तेज हो गई है। अध्यक्ष पद के लिए कुल पांच प्रत्याशियों ने नामांकन दाखिल किया था। नाम वापसी के दौरान दो प्रत्याशियों के नाम वापस लेने के बाद अब चुनावी मुकाबला तीन प्रत्याशियों के बीच रह गया है। मैदान में सुशील सेठ बागी, कृष्णकांत सोनी और सचिन कुमार वर्मा एडवोकेट (हाई कोर्ट) हैं। सदस्यता लेने की प्रक्रिया 29 अगस्त तक जारी रहेगी।

सुशील सेठ बागी ने कहा कि समाज की एकता, विश्वास और सेवा उनकी प्राथमिकता है। रक्षाबंधन के अवसर पर समाज के सभी सदस्यों एवं परिवारजनों को शुभकामनाएं देते हुए उन्होंने अपने चुनाव चिन्ह 'हथौड़ा' पर मतदान कर समर्थन देने की अपील की।

कृष्णकांत सोनी ने कहा कि समाज की एकता, भाईचारा, अधिकारों और सम्मान की रक्षा के साथ युवाओं के लिए शिक्षा एवं रोजगार के बेहतर अवसर उपलब्ध कराना उनका मुख्य उद्देश्य है। रक्षाबंधन पर उन्होंने समाज के सभी परिवारों की सुख-समृद्धि की कामना की। उनका चुनाव चिन्ह 'कारीगरी मशीन' है।

सचिन कुमार वर्मा एडवोकेट (हाई कोर्ट) ने कहा कि समाज के हित और विकास को प्राथमिकता देते हुए वह चुनाव मैदान में हैं। उन्होंने रक्षाबंधन के अवसर पर समाज के लोगों को शुभकामनाएं दीं और अपने चुनाव चिन्ह 'चिमटी' पर मतदान कर विजयी बनाने की अपील की।

चुनाव प्रभारी संगठन की ओर से मतदान को निष्पक्ष, शांतिपूर्ण और सुरक्षित ढंग से संपन्न कराने के लिए दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। मतदाताओं को पहचान के लिए आधार कार्ड, पैन कार्ड अथवा मोबाइल में इनके फोटो साथ लाने होंगे। अनुपस्थित सदस्य के स्थान पर किसी अन्य व्यक्ति को मतदान करने की अनुमति नहीं होगी।

चुनाव 30 अगस्त को सुबह 10 बजे से दोपहर दो बजे तक कानपुर धर्मशाला, घास मंडी चौक, शाहगंज में होगा। मतदान समाप्त होने के बाद मतगणना की जाएगी और शाम चार बजे के बाद परिणाम घोषित किए जाएंगे। चुनाव को लेकर समाज में उत्साह बढ़ता जा रहा है और तीनों प्रत्याशी अपने-अपने स्तर पर मतदाताओं से संपर्क कर समर्थन जुटाने में लगे हैं।

# चीनी विषय में जेआरएफ में आलिया ने हासिल की ऑल इंडिया प्रथम रैंक, गांव में जश्न

◆ मरहूम पूर्व प्रधान अमीरुद्दीन की पोती हैं आलिया

**यूजीसी नेट-जेआरएफ में मानीकलां की बेटी ने लहराया परचम, पहले भी जीत चुकी हैं स्वर्ण पदक**

डॉ.इम्तियाज अहमद

खेतासराय, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। क्षेत्र के मानीकलां गांव की बेटी आलिया इकबाल खान ने यूजीसी नेट-जेआरएफ परीक्षा में चीनी विषय से ऑल इंडिया प्रथम रैंक हासिल कर क्षेत्र का नाम रोशन किया है। अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय में चीनी भाषा एवं साहित्य की परास्नातक छात्रा आलिया की इस उपलब्धि से परिवार सहित गांव और क्षेत्र में खुशी का माहौल है।

आलिया ने अपनी मेहनत, लगन और प्रतिभा के दम पर देश की प्रतिष्ठित परीक्षा में सर्वोच्च स्थान हासिल किया है। इससे पहले भी वह शैक्षणिक क्षेत्र में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर चुकी हैं। स्नातक स्तर पर उन्होंने स्वर्ण पदक हासिल किया था। इसके अलावा ऑल इंडिया चीनी ब्रिज प्रतियोगिता-2024 में भी

उन्होंने तीसरा स्थान प्राप्त किया था।

मानीकलां निवासी मोहम्मद इकबाल खान और शबनम खातून की पुत्री तथा मरहूम पूर्व प्रधान अमीरुद्दीन की पोती आलिया की सफलता पर परिजनों ने खुशी जताई। उनकी उपलब्धि से गांव और क्षेत्र के लोगों में भी हर्ष का माहौल है। ग्रामीणों का कहना है कि आलिया ने अपनी प्रतिभा और कड़ी मेहनत से क्षेत्र के विद्यार्थियों के लिए प्रेरणास्रोत बनने का काम किया है।

चीनी भाषा एवं साहित्य जैसे विशिष्ट विषय में देशभर में प्रथम स्थान हासिल करने पर पूर्व प्रधान मो. अरशद, अबु सहमा, मो. आकिब, अबु हुजैफा खान सहित अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के शिक्षकों, सहपाठियों, शुभचिंतकों और क्षेत्रवासियों ने आलिया को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

# धूमधाम से मनाया गया लायंस क्लब क्षितिज का 7वां स्थापना दिवस

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। लायंस क्लब जौनपुर 'क्षितिज' का 7 वाँ स्थापना दिवस समारोह शहर के एक होटल में धूमधाम से मनाया गया। विगत सात वर्षों से सेवा के प्रति संकल्पित कार्य निर्बाध रूप से जारी है। संस्था बृहद सेवा कार्यों के नए आयाम गढ़ रही है और समाज मे अमित छाप छोड़ रही है। कार्यक्रम की शुरूआत लॉयनेस सीमा चक्रवाल द्वारा ध्वज वंदना से हुई उसके उपरांत संस्थाध्यक्ष टखत्र्र कौशल त्रिपाठी ने आये हुए सभी अथितियों व संस्था सदस्यों का स्वागत करते हुए स्थापना दिवस की बधाई दी, इसके बाद संस्थापक अध्यक्ष MJF शशांक सिंह रानू, वर्तमान अध्यक्ष MJF कौशल त्रिपाठी, पूर्व अध्यक्ष MJF डॉ दिलीप सिंह, जयकृष्ण साहू, MJF विष्णु सहाय, धर्मेंद्र सेठ, MJF प्रदीप सिंह व निवर्तमान अध्यक्ष MJFअतुल सिंह व अन्य चार्टर सदस्यों ने दीप प्रज्ज्वलित व पुष्प अर्पित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस अवसर पर संस्थापक सदस्यों को अंगवस्त्रम, माल्यार्पण और गिफ्ट देकर सम्मानित किया गया।

संस्थापक अध्यक्ष MJF शशांक सिंह 'रानू' ने संस्था की स्थापना से जुड़े संस्मरण साझा किए और संगठन के उद्देश्यों पर प्रकाश डाला। पूर्व अध्यक्ष व संस्थापक सदस्यों ने भी अपने संस्मरणों को बताया, कोषाध्यक्ष लायन डॉ. चंदन गुप्ता ने गुड पे सदस्यों को गुड पे अवार्ड प्रदान कर सम्मानित किया। संस्थाध्यक्ष कौशल त्रिपाठी ने सभी सदस्यों को गिफ्ट व अंगवस्त्रम प्रदान कर समानित किया।

सचिव लायन हफीज शाह ने सभी को स्थापना दिवस की बधाई दी व आगामी कार्यक्रमों की घोषणा करते हुए बताया कि राजमहल में बिजनेस एक्सपो का आयोजन किया जाएगा, जो जौनपुर का सबसे बड़ा सार्वजनिक कार्यक्रम होगा।

समारोह में उपाध्यक्ष- संजय गुप्ता व दिलीप जायसवाल के साथ सर्वेश जायसवाल, अजीत सोनकर, आशीष चौरसिया, देवानन्द श्रीवास्तव, नीरज कुमार सिंह, डॉ. प्रशांत द्विवेदी, डॉ. विकाश रस्तोगी, ई.हसन अब्बास, राजीव गुप्ता, सुनील कन्नौजिया, जगदीश मौर्या गप्पू, विनय बरौतिया, अंजनी प्रजापति, जगन्नाथ मोदनवाल, MJF योगेन्द्र सिंह, संतोष गुप्ता, सुशील विश्वकर्मा, रत्नेश जी वैश्य, देवेश जी वैश्य जी, संजय गुप्ता (निवा बूपा), रामकृपाल जायसवाल, मनीष मौर्या, रत्नेश शर्मा, सहित बड़ी संख्या में लायन सदस्य और महिला सदस्य उपस्थित रहीं।

महिला सदस्यों में यवनिका सिंह, डॉ अर्चना सिंह , किरण सेठ, नीतू सिंह, आराधना सिंह, रितु त्रिपाठी, सुषमा सोनकर, मेघना रस्तोगी, नीतू गुप्ता, रेखा सिंह, शिल्की श्रीवास्तव, वंशिका सिंह, सरिता मिगलानी, ज्योति जायसवाल, दीपशिखा चौरसिया, वन्दना गुप्ता, डॉ. आकांक्षा द्विवेदी, रिंकी श्रीवास्तव, निशा कन्नौजिया, शोभा सिंह आदि शामिल रहीं। कार्यक्रम का सफल संचालन MJF अतुल सिंह ने किया। कार्यक्रम संयोजक लायन शरद टंडन व लॉयनेस साक्षी टंडन ने सभी अतिथियों और सदस्यों के प्रति आभार के साथ शुभकामना व्यक्त किया।

# वाराणसी में गंगा का जलस्तर बढ़ा, 4 सेमी प्रति घंटे की रफ्तार से हो रही वृद्धि

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। जनपद में केंद्रीय जल आयोग के आंकड़ों के अनुसार वाराणसी में गंगा का जलस्तर 68.94 मीटर दर्ज किया गया है। सुबह 8 बजे लिए गए आंकड़े में जलस्तर लगातार बढ़ता हुआ दर्ज किया गया। गंगा का जलस्तर 40 मिमी प्रति घंटे यानी करीब 4 सेमी प्रति घंटे की

रफ्तार से बढ़ रहा है। वाराणसी में चेतावनी स्तर 70.262 मीटर और खतरे का स्तर 71.262 मीटर निर्धारित है। वर्तमान जलस्तर चेतावनी स्तर से करीब 1.32 मीटर नीचे है। इस दौरान 14.4 मिमी बारिश भी दर्ज की गई है।

गंगा के बढ़ते जलस्तर को देखते हुए प्रशासन और संबंधित विभागों की ओर से स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है।

# राज्यमंत्री के कार्यालय में कार्यकताओं ने सुनी 'मन की बात'

## युवाओं, जेन-जी, नवाचार और सामाजिक सद्भाव पर पीएम मोदी ने रखे विचार

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार खेल एवं युवा कल्याण गिरीश चंद्र यादव के कार्यालय पर रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'मन की बात' कार्यक्रम के 137वें एपिसोड का प्रसारण सुना गया। सुबह करीब 11 बजे आयोजित कार्यक्रम में बूथ संख्या 421 के दर्जनों भाजपा कार्यकताओं एवं पदाधिकारियों ने प्रधानमंत्री के संबोधन को सुना।

'मन की बात' के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने युवाओं और जेन-जी की भूमिका पर विशेष रूप से चर्चा की। उन्होंने युवा पीढ़ी के नए विचारों, नवाचार और देश के विकास में उनकी सक्रिय भागीदारी को महत्वपूर्ण बताया। प्रधानमंत्री ने जीवन में करुणा और संतोष के महत्व को रेखांकित करते हुए समाज में आपसी सद्भाव, सहयोग और सकारात्मक सोच को मजबूत करने का संदेश दिया। कार्यक्रम में देश-विदेश से जुड़े विभिन्न सामाजिक एवं जनहित के विषयों पर प्रधानमंत्री के विचारों को कार्यकताओं ने सुना। इस अवसर पर भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष ब्रह्मदेव मिश्रा, खेतासराय मंडल के वरिष्ठ नेता जगदम्बा प्रसाद पांडेय, कार्यालय प्रभारी डॉ. ब्रह्मेश शुक्ल, पीआरओ मनीष श्रीवास्तव, कार्यालय व्यवस्थापक धर्मपाल कन्नौजिया, आशुतोष अस्थाना दयालु, आकाश शर्मा समेत बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी मौजूद रहे।

# बिना आदेश ट्रांसफार्मर हटाने पर ग्रामीणों में आक्रोश

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। बक्सा पावर हाउस से जुड़े बबुरा फीडर के उटरूकला गांव में लगा विद्युत ट्रांसफार्मर कथित तौर पर बिना किसी आदेश के स्थानांतरित किए जाने से ग्रामीणों में आक्रोश है। ग्रामीणों का आरोप है कि स्थानीय लाइनमैन व अन्य जिम्मेदारों की मिलीभगत से ट्रांसफार्मर को अचानक उसके मूल स्थान से हटा दिया गया। इसकी जानकारी उपभोक्ताओं को भी नहीं दी गई। ग्रामीणों के अनुसार, ट्रांसफार्मर हटाए जाने के बाद उसे ऐसी जगह स्थापित कर दिया गया, जो उपभोक्ताओं के घरों से काफी दूर है। इससे बिजली के तार घरों तक ले जाने में लोगों को परेशानी हो रही है और विद्युत आपूर्ति को लेकर भी समस्या खड़ी हो गई है। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि ट्रांसफार्मर का स्थानांतरण सुविधा शुल्क लेकर किया गया है। हालांकि, इन आरोपों की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हो सकी है।

# सद्भावना क्लब ने 165 मेधावी छात्र/छात्राओं को किया सम्मानित

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। सद्भावना क्लब जौनपुर के तत्वावधान में अध्यक्ष डॉ. विवेकानंद मौर्या की अध्यक्षता में रविवार को रजा डी.एम. (शिया) इंटर कॉलेज, मंडी नसीब खाँ में 31वाँ मेधावी छात्र सम्मान समारोह आयोजित किया गया। समारोह में हाईस्कूल एवं इंटरमीडिएट में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले 165 मेधावी छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन से हुआ। इसके बाद रिया एवं सुप्रिया ने स्वागत गीत प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में अध्यक्ष डॉ. विवेकानंद मौर्या एवं क्लब के सदस्यों द्वारा मुख्य अतिथि तथा विशिष्ट अतिथियों का बुके भेंट कर एवं माल्यार्पण कर स्वागत किया गया।

डॉ. अलमदार नजर ने सद्भावना क्लब की स्थापना, उद्देश्यों एवं सामाजिक गतिविधियों का परिचय प्रस्तुत किया। मुख्य अतिथि नगर पालिका परिषद, जौनपुर की अध्यक्ष मनोरमा मौर्या ने अपने उद्बोधन में मेधावी छात्र-छात्राओं को बधाई देते हुए शिक्षा के महत्व पर प्रकाश डाला और विद्यार्थियों को निरंतर मेहनत एवं लगन के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

विशिष्ट अतिथि ए.ए. जाफरी, मुख्य चिकित्सा अधीक्षक, मेडिकल कॉलेज जौनपुर तथा विशिष्ट अतिथि सैयद नजमुल हसन 'नजमी' ने भी अपने संबोधन में विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

समारोह में पूर्व अध्यक्ष लालजी यादव, श्रावण साहू, नरसिंह अवतार जायसवाल, मधुसूदन बैंकर, आशीष साहू, निवर्तमान अध्यक्ष मो. रजा खान, कोषाध्यक्ष विनीत गुप्ता, संतोष अग्रहरि, विकास अग्रहरि, एडवोकेट रविकांत जायसवाल, अखिलेश अग्रहरि, संतोष अग्रहरि फामेर्सी,धीराज गुप्ता, सैयद फरोग अहमद शाहबाज खान, चंद्रेश मौर्या, दिनेश कुमार यादव, अभिनंदन त्रिपाठी,सूरज मौर्या लोकेश जावा प्रीतेश गुप्ता, श्रीमती आदर्श वर्मा, अंजली बाला, प्रतिमा यादव, गुंजा त्रिपाठी, नागेंद्र यादव (राज कॉलेज), रेनू बैंकर सहित क्लब के संयोजक ताहिर कादरी सोनू, सदस्य, अभिभावक एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का सफल संचालन पूर्व अध्यक्ष हफीज शाह ने किया। अंत में सचिव हर्ष माहेश्वरी ने सभी अतिथियों, अभिभावकों, विद्यार्थियों एवं सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त किया। समारोह में सम्मानित हुए विद्यार्थियों के चेहरे पर खुशी और उत्साह देखने को मिला।

# वाराणसी में एस.ओ.जी.-2 का फिर गठन, तेजतर्रार दरोगा पंकज सिंह चौहान को मिली कमान

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। जनपद के कमिश्नरेट वाराणसी में जुआ, सट्टा, देह व्यापार, अवैध हुक्का बार, मादक द्रव्यों की बिक्री सहित अन्य अवैध गतिविधियों पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए एक बार फिर एस.ओ.जी.-2 का गठन किया गया है।इस विशेष टीम की कमान उप निरीक्षक पंकज सिंह चौहान को सौंपी गई है।पुलिस विभाग की ओर से एस.ओ.जी.-2 को अवैध कार्यों पर विशेष निगरानी रखने और सूचना मिलने पर प्रभावी कार्रवाई करने की जिम्मेदारी दी गई है। एस.ओ.जी.-2 के गठन के बाद अब शहर से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों तक संचालित होने वाले अवैध कारोबार पर पुलिस की नजर और सख्त होने की उम्मीद जताई जा रही है। जुआ-सट्टा के अड्डों,मादक पदार्थों की बिक्री, अवैध हुक्का बार तथा देह व्यापार जैसी गतिविधियों के खिलाफ गोपनीय सूचनाओं के आधार पर कार्रवाई की रणनीति तैयार की

**अवैध धंधों पर कसेगा शिकंजा**

जाएगी।खास बात यह है कि एस.ओ.जी.-2 की कमान तेजतर्रार माने जाने वाले उप निरीक्षक पंकज सिंह चौहान को मिलने के बाद पुलिस महकमे के साथ-साथ आम नागरिकों की भी निगाहें इस टीम की कार्यप्रणाली पर टिक गई हैं। लंबे समय से विभिन्न इलाकों में अवैध गतिविधियों को लेकर उठती शिकायतों के बीच नागरिकों को उम्मीद है कि नई टीम प्रभावी ढंग से कार्रवाई करते हुए ऐसे कारोबार पर लगाम लगाएगी। पुलिस की चुनौती केवल छोटे स्तर पर कार्रवाई करने की नहीं, बल्कि अवैध गतिविधियों के पीछे सक्रिय नेटवर्क और संरक्षण देने वालों तक पहुंचने की भी होगी। अब देखना होगा कि एस.ओ.जी.-2 अपने गठन के बाद कितनी तेजी से सक्रिय होती है और अवैध कारोबारियों के खिलाफ किस स्तर पर कार्रवाई करती है। फिलहाल टीम के गठन से यह संदेश जरूर गया है कि कमिश्नरेट वाराणसी में अवैध गतिविधियों को लेकर पुलिस अब विशेष निगरानी और सख्ती के मूड में है।

# खेल, शिक्षा और नवाचार सफलता के तीन स्तंभ: कुलपति

**कुलपति जी खुद उतरे बैडमिंटन कोर्ट पर, कुलपति का आह्वान–रोज एक घंटा खेल के मैदान में बिताएं विद्यार्थी**

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के मेजर ध्यानचन्द क्रीड़ा संकुल में शनिवार को राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर महान हॉकी खिलाड़ी मेजर ध्यानचन्द की जयंती उत्साह और उल्लास के साथ मनाई गई। कार्यक्रम के विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह ने मेजर ध्यानचन्द के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर समारोह का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने छात्र-छात्राओं, शिक्षकों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों को खेल को दैनिक जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाने की शपथ दिलाई।

कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह ने कहा कि शिक्षा, शोध और नवाचार के साथ खेल भी विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए उतने ही आवश्यक हैं। स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मस्तिष्क का विकास होता है और स्वस्थ मस्तिष्क ही सृजनात्मक सोच, शोध एवं नवाचार को नई दिशा देता है। उन्होंने विद्यार्थियों का आह्वान किया कि वे प्रतिदिन कम से कम एक घंटा खेल के मैदान में बिताएं और फिट इंडिया के उद्देश्यों को अपने जीवन का हिस्सा बनाएं।

उन्होंने कहा कि खेल केवल शारीरिक स्वास्थ्य का माध्यम नहीं, बल्कि अनुशासन, नेतृत्व, टीम भावना, संघर्ष और लक्ष्य के प्रति समर्पण सिखाने वाली जीवनशैली है। उन्होंने विद्यार्थियों से स्वयं खेलों से जुड़ने के साथ-साथ अपने परिवार और समाज के अन्य लोगों को भी खेल एवं योगाभ्यास के लिए प्रेरित करने का आह्वान किया।

**राष्ट्रीय खेल दिवस पर पीयू में मनाई गयी मेजर ध्यानचन्द जयंती, इंडौर स्टेडियम में हुए कई खेलों के आयोजन**

कुलपति ने कहा कि मेरा सपना है कि पूर्वांचल विश्वविद्यालय शिक्षा और नवाचार के साथ-साथ खेल के क्षेत्र में भी राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी विशिष्ट पहचान बनाए। विश्वविद्यालय में खेल प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है। यदि खिलाड़ियों को उचित मार्गदर्शन, बेहतर प्रशिक्षण, पर्याप्त अवसर और आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं तो वे विश्वविद्यालय और देश का नाम राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर रोशन कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय प्रशासन खिलाड़ियों को बेहतर प्रशिक्षण एवं आवश्यक खेल सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है।

राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर विश्वविद्यालय परिसर में विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। बैडमिंटन (पुरुष एवं महिला), योगाभ्यास (पुरुष एवं महिला) तथा रस्साकसी (पुरुष एवं महिला) प्रतियोगिताओं में प्रतिभागियों ने पूरे उत्साह और खेल भावना के साथ हिस्सा लिया। प्रतियोगिताओं के दौरान खिलाड़ियों का उत्साह देखते ही बना।

कुलपति ने प्रतियोगिताओं में भाग लेने वाले खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि जीत और हार से अधिक महत्वपूर्ण खेल भावना, अनुशासन और निरंतर मेहनत है। उन्होंने विद्यार्थियों से जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में इसी भावना के साथ आगे बढ़ने का आह्वान किया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के विभिन्न संकायों के विभागाध्यक्ष, शिक्षक, अधिकारी, कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

इस अवसर पर प्रमुख रूप से कुलसचिव डॉ. विनोद कुमार सिंह, उपकुलसचिव श्री अजीत प्रताप सिंह, खेलकूद परिषद के सचिव प्रो. शेखर सिंह, प्रो. रजनीश भास्कर, प्रो. देवराज, प्रो. गिरधर मिश्रा, डॉ. रसिकेश. डॉं. शशिकांत यादव, डॉ. मनोज पाण्डेय, रजनीश कुमार सिंह, डॉ. राजेश सिंह, सतेन्द्र कुमार सिंह, अल्का सिंह, विजय प्रकाश, जय सिंह गुहिलौत, सहित अन्य शिक्षक, अधिकारी, कर्मचारी एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के समापन पर कुलपति ने विद्यार्थियों से खेल के साथ-साथ शिक्षा, शोध और नवाचार में उत्कृष्टता हासिल कर राष्ट्र निर्माण में योगदान देने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि स्वस्थ, अनुशासित और ऊजार्वान युवा ही विकसित भारत की मजबूत नींव तैयार कर सकते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को 'खेलेगा भारत, जीतेगा भारत' की भावना के साथ आगे बढ़ने का संदेश दिया।

# केराकत में आज निकलेगा जश्ने ईद मिलादुन्नबी का जुलूस, मस्जिदों पर भव्य सजावट, दुल्हन की तरह सजा केराकत नगर

केराकत, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। पैगंबर-ए-इस्लाम हजरत मोहम्मद सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम की दुनिया में आमद के मौके पर मनाए जाने वाले जश्ने ईद मिलादुन्नबी का पर्व रविवार को केराकत नगर में अकीदत और एहतराम के साथ मनाया जाएगा। पर्व को लेकर तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है। नगर की प्रमुख मस्जिदों के साथ ही मुख्य मार्गों और चौराहों पर आकर्षक सजावट की गई है। रंग-बिरंगी रोशनी से पूरा नगर जगमगा रहा है।

जश्ने ईद मिलादुन्नबी के मौके पर बाद शाहजादी मस्जिद (तहसील प्रांगण) से जुलूस निकाला जाएगा। जुलूस नगर के प्रमुख मार्गों से होते हुए मोहल्ला शेखजादा स्थित शाही जामा मस्जिद पहुंचेगा। जुलूस में विभिन्न अंजुमनें नात-ए-पाक पेश करते हुए चलेंगी। वहीं अखाड़ों के युवा विभिन्न तरह के करतब दिखाकर अपनी कला का प्रदर्शन करेंगे। हैरतअंगेज करतब देखने के लिए बड़ी संख्या में लोग जुटेंगे।

**बाद शाहजादी मस्जिद से शुरू होकर शाही जामा मस्जिद पहुंचेगा जुलूस**

जुलूस के मार्ग पर जगह-जगह स्वागत और कार्यक्रमों के लिए मंच बनाए जा रहे हैं। यहां अंजुमनों और अखाड़ों को पुरस्कृत किया जाएगा। जुलूस में शामिल होने के लिए दूर-दराज के क्षेत्रों से भी बड़ी संख्या में लोगों के पहुंचने की संभावना है।

पर्व को लेकर नगर में मेले जैसा माहौल रहेगा। सड़कों के किनारे खाने-पीने की विभिन्न दुकानें सजाई जा रही हैं। वहीं पटरियों पर खिलौनों की दुकानें भी लगेंगी, जहां बच्चे अपनी पसंद के खिलौने खरीद सकेंगे। जुलूस को लेकर आयोजकों और स्थानीय लोगों में खासा उत्साह है।

## वसईकरों के लंबित मामलों को लेकर स्नेहा दुबे से मिला वसई-विरार जनशक्ति अघाड़ी का प्रतिनिधिमंडल

**वसई।** वसई-विरार जनशक्ति अघाड़ी के एक प्रतिनिधिमंडल ने वसई विधायक स्नेहा दुबे पंडित से विधायक पब्लिक रिलेशन ऑफिस, वसई पश्चिम में मुलाकात कर वसईकरों से जुड़े विभिन्न लंबित मामलों पर विस्तार से चर्चा की।

प्रतिनिधिमंडल ने क्षेत्र की प्रमुख समस्याओं को लेकर विधायक को एक पत्र सौंपते हुए मांग की कि महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के साथ प्रतिनिधिमंडल की बैठक विधायक स्नेहा दुबे पंडित की मौजूदगी में कराई जाए, ताकि इन मुद्दों पर सकारात्मक एवं प्रभावी समाधान की दिशा में आगे बढ़ा जा सके। प्रतिनिधिमंडल की प्रमुख मांगों में जमीन मालिकों के घरों को कानूनी मान्यता दिलाना, वसई की प्राकृतिक सुंदरता एवं ग्रीन बेल्ट का संरक्षण, पर्याप्त इंफ्रास्ट्रक्चर के अभाव में बढ़ते निर्माण और आबादी से उत्पन्न समस्याओं को नियंत्रित करना तथा वसई में हर वर्ष होने वाली बाढ़ की समस्या के स्थायी समाधान के लिए ठोस कदम उठाना शामिल रहा। विधायक स्नेहा दुबे पंडित ने प्रतिनिधिमंडल को आश्वस्त करते हुए कहा कि वे इन सभी मामलों का लगातार फॉलो-अप करेंगी और संबंधित स्तर पर सकारात्मक चर्चा एवं समाधान के लिए प्रयास जारी रखेंगी, ताकि वसईकरों को राहत मिल सके। इस अवसर पर भाजपा वसई-विरार शहर जिला महासचिव बिजेंद्र कुमार, मयंक शेठ सहित वसई-विरार जनशक्ति अघाड़ी के मिलिंद खानोलकर, मैकेंजी डाबरे, डोमिनिका डाबरे, साइमन मार्टिन, पायस मचाडो, कुमार राउत, एडवोकेट सुमित डोंगरे और एडवोकेट अनिल चव्हाण समेत पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं नागरिक उपस्थित रहे।

## मछली पकड़ने गया युवक, पोखरे में मिली लाश

**जौनपुर ( उत्तरशक्ति )।** कोतवाली थाना क्षेत्र के पुरानी बाजार मोहल्ले में रविवार को उस समय सनसनी फैल गई, जब खास हौज पोखरे में एक युवक का शव पानी में उतराता मिला। शव मिलने की सूचना पर मौके पर बड़ी संख्या में लोगों की भीड़ जुट गई। मिली जानकारी के अनुसार, मोहल्ला मीरमसत निवासी सलमान उर्फ गेंडा (28) पुत्र शाह मोहम्मद मछली पकड़ने का शौकीन था। बताया जा रहा है कि रविवार सुबह वह मछली पकड़ने के लिए खास हौज पोखरे पर गया था। दोपहर करीब तीन बजे लोगों ने पोखरे के पानी में उसका शव देखा। घटना की सूचना मिलते ही पुरानी बाजार पुलिस मौके पर पहुंची। शहर कोतवाल अनीता सिंह तथा चौकी प्रभारी पुरानी बाजार संतोष कुमार यादव पुलिस टीम के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से शव को पानी से बाहर निकलवाया, जिसके बाद उसकी पहचान सलमान के रूप में हुई। स्थानीय लोगों ने पुलिस को बताया कि मृतक अक्सर इस पोखरे में मछली पकड़ने आया करता था। हालांकि युवक की मौत किन परिस्थितियों में हुई, यह अभी स्पष्ट नहीं हो सका है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के वास्तविक कारण का पता चल सकेगा। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी हुई है।

## हरिद्वार में पवन कुमार सिंह एडवोकेट को दो प्रतिष्ठित सम्मानों से किया गया सम्मानित

**सोनभद्र ( उत्तरशक्ति )।** हरिद्वार में आयोजित द्वितीय अंतर्राष्ट्रीय दिव्य गंगा महोत्सव एवं साहित्यिक कुंभ में साहित्य एवं समाजसेवा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए पवन कुमार सिंह एडवोकेट, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष को दो प्रतिष्ठित सम्मानों से सम्मानित किया गया।

दिव्य गंगा सेवा मिशन, हरिद्वार के तत्वावधान में 29 एवं 30 अगस्त को आयोजित इस महोत्सव में देश-विदेश से साहित्यकारों, कवियों, समाजसेवियों तथा गंगा संरक्षण से जुड़े लोगों ने सहभागिता की।

इस अवसर पर पवन कुमार सिंह को दिव्य गंगा सेवी सम्मान-2026 एवं टी.जी.टी. साहित्य भूषण सम्मान-2026 प्रदान किया गया। कार्यक्रम में उत्तराखंड सरकार के कैबिनेट मंत्री मदन कौशिक की गरिमामयी उपस्थिति रही। सम्मान प्राप्त करने के बाद पवन कुमार सिंह एडवोकेट ने आयोजक मंडल एवं दिव्य गंगा सेवा मिशन के पदाधिकारियों के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि यह सम्मान उनके लिए व्यक्तिगत गौरव के साथ-साथ साहित्य, समाज, संस्कृति और मां गंगा की सेवा के प्रति और अधिक समर्पण की प्रेरणा है। उन्होंने कहा कि गंगा केवल नदी नहीं, बल्कि भारत की संस्कृति, आस्था और जीवनधारा का प्रतीक है। वहीं साहित्य समाज को सकारात्मक दिशा देने का कार्य करता है। गंगा संरक्षण और सामाजिक चेतना के लिए निरंतर कार्य करना उनके लिए गौरव की बात है। महोत्सव ने साहित्य, संस्कृति, आध्यात्मिकता और सामाजिक सरोकारों को एक मंच पर जोड़ते हुए हरिद्वार की पावन धरती से समाज को सकारात्मक एवं प्रेरणादायी संदेश दिया।

## सीएम की कुर्सी पर केशव मौर्य की नजर! बोले- अगली बार मुझे मुख्यमंत्री के रूप में देख सकते हैं

**लखनऊ ( उत्तरशक्ति )।** उत्तर प्रदेश की सियासत में 2027 के विधानसभा चुनाव से पहले मुख्यमंत्री पद को लेकर चचाएं एक बार फिर तेज हो गई हैं। प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने एक इंटरव्यू में मुख्यमंत्री बनने की अपनी महत्वाकांक्षा खुलकर जाहिर की है। हालांकि उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि मुख्यमंत्री पद का फैसला उनके हाथ में नहीं, बल्कि पार्टी नेतृत्व का विषय है। एबीपी न्यूज को दिए इंटरव्यू में केशव प्रसाद मौर्य से जब अगली सरकार में उनकी भूमिका और मुख्यमंत्री पद को लेकर सवाल किया गया तो उन्होंने कहा कि हो सकता है अगली बार आप मुझे सीएम के रूप में देखें, लेकिन यह काम पार्टी नेतृत्व का है, मेरा नहीं है। यह मैं नहीं तय कर सकता। उन्होंने यह भी कहा कि राजनीति में रहने वाले व्यक्ति की महत्वाकांक्षा होना स्वाभाविक है। उनका लक्ष्य फिलहाल भारतीय जनता पार्टी को 2027 के विधानसभा चुनाव में बहुमत दिलाना है। मुख्यमंत्री कौन बनेगा, इसका फैसला पार्टी और विधायक दल द्वारा किया जाएगा। केशव मौर्य के इस बयान के बाद यूपी बीजेपी की राजनीति में मुख्यमंत्री पद को लेकर नई चचाओं ने जोर पकड़ लिया है। हालांकि भाजपा की ओर से 2027 के चुनाव और मुख्यमंत्री पद को लेकर आधिकारिक तौर पर कोई नया निर्णय सामने नहीं आया है। सियासी मायनेः केशव प्रसाद मौर्य लंबे समय से भाजपा के प्रमुख पिछड़ा वर्ग चेहरों में शामिल रहे हैं। ऐसे में मुख्यमंत्री पद की इच्छा का सार्वजनिक रूप से जिक्र करना 2027 के चुनावी माहौल में खासा महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

## फर्टिलिटी में विश्वास का दूसरा नाम इंदिरा आईवीएफ : तेजस्वी यादव

**पटना।** इंदिरा आईवीएफ पटना ने अपने 11वें स्थापना दिवस एवं 2 लाख सफल आईवीएफ गर्भधारण की ऐतिहासिक उपलब्धि का भव्य उत्सव मनाया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में नेता प्रतिपक्ष बिहार तेजस्वी यादव, विशिष्ट अतिथियों के रूप में पद्मश्री एवं पद्मभूषण से सम्मानित डॉ. सी पी ठाकुर, दीघा विधायक संजीव चौरसिया, राज्यसभा संसाद संजय यादव, भाजपा नेता मृत्युंजय तिवारी, इंदिरा आईवीएफ के मुख्य कार्यकारी अधिकारी डॉ. क्षितिज मुर्डिया, भोजपुरी फिल्म अभिनेत्री एवं गायिका अक्षरा सिंह, बिहार हेड एवं सेंटर हेड डॉ. दयानिधि कुमार, सेंटर क्लिनिकल डायरेक्टर डॉ. सुनीता कुमारी, दीपक ठाकुर, पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के पारिवारिक सदस्य अंजू जी उपस्थित रहे। बेली रोड स्थित इंदिरा आईवीएफ सेंटर में आयोजित कार्यक्रम में बड़ी संख्या में चिकित्सकों, समाजसेवियों, मरीज परिवारों एवं गणमान्य नागरिकों ने भाग लिया।

## मनुष्य के लिए गुरु शरणागति अनिवार्य है : पंडित रामचंद्र दास

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जौनपुर स्थित मैहर देवी मंदिर के हनुमान पुजारी पंडित रामचंद्र मिश्रा दास ने कहा कि गोस्वामी तुलसीदास ने महापुरुषों के अनुसार अयोध्याकांड मनुष्य जीवन की हृदय स्थली है।अयोध्याकांड के प्रारंभ में सर्व प्रथम भगवान शिव की वंदना इसलिए किये कि भगवान शिव अपने परिवार के सदस्यों में व्यवहारिक भिन्नता के बाद भी सदैव शांत और प्रसन्न रहते हैं। तुलसीदास जी द्वितीय वंदना प्रभु राम की करते हैं क्योंकि युवानी काल में जीवन कई झंझावातों से घिरा होता है जैसे भगवान को युवराज पद मिलते मिलते वनवास मिल गया फिर भी ऐसी विषम परिस्थिति में भी भगवान प्रसन्न रहते हैं। अयोध्याकांड मनुष्य को जीवन जीना सिखाता है। पंडित रामचंद्र दास ने भगवान शिव को गुरु मानकर शिवचर्चा करने वाले भगवान शिव किसी एक के नही बल्कि त्रैलोक के गुरु हैं, किंतु मनुष्य रूप में इस धरती पर आने वाले हर किसी को गुरु की शरण में जाकर दीक्षालेना अनिर्वाय है।शिव के ही रूप में धरती पर आये आदि गुरु शंकराचार्य को भी गुरु शरण में जाना पड़ा था। पंडित रामचंद्र दास ने मार्गदर्शन करते हुए कहा कि,बिना दीक्षा के भी नाम जप किया जा सकता है और यही नाम जप आप को सद्गुरु से स्वयं मिलवा देगा।भगवान राम के वनवास प्रसंग की चर्चा करते हुए पंडित रामचंद्र दास ने कहा कि,माता कैकेयी ने राम जी की इच्छा से चक्रवर्ती जी से दो वरदान लेकर संसार में स्वयं के चरित्र को कलंकित कर लिया।संसार में अज्ञानता पूर्वक किया गया प्रेम ही मोह है। केवट प्रेम प्रसंग की चर्चा करते हुए पंडित जी ने कहा कि केवट जी जान गये हैं कि,सारा कमाल रामजी के चरण रज में हैं इसीलिए वे भगवान के चरण रज को पखारना चाहते हैं। केवट जी ने सोचा कि आज तक जो भी आता था वह मुझे नौकर समझ कर आदेश देता था । आज रामजी ने निवेदन करके मुझे मालिक बना दिया यह भगवान को छोड़कर कोई और नही कर सकता है। केवट जी के घर भोजन नही है फिर भी वे भगवान से कहते हैं कि ऱ्नाथ न अब कछु चाहिय मोरेऱ् और हम सब मंदिर में जाकर नित्य भगवान से माँगते रहते हैं,इसीलिए हम सब भगवान के द्वार पर खड़े रहते हैं और भगवान केवट के प्रेमवश केवट के द्वार पर खड़े रहते हैं।केवट की भक्ति के समक्ष हम सब कुछ भी नही हैं।अतः जीवन में जो भी प्राप्त है उसके लिए भगवान को धन्यवाद देना चाहिए। पंडित रामचंद्र मिश्रा दास ने कहा कि हे प्रभु मुझे तूने बहुत दे दिया है। बस प्रभो अपने शरण में लिजिए मैं हमेशा गुरु के शरणागत में रहु गुरु की कृपा से ईश्वर की प्राप्ति होती है।

## इंदौर के सुदामा नगर बगीचा बचाओ संघर्ष समिति द्वारा आंदोलन

-प्रणित नरेंद्र तिवारी

इंदौर (उत्तरशक्ति)। इंदौर के सुदामा नगर, विश्वकर्मा नगर रहवासियों के द्वारा बगीचा बचाओ आंदोलन' चलाया जा रहा है। स्थानीय नागरिक बगीचे की जमीन पर होने वाले किसी भी तरह के निर्माण या पानी की टंकी बनाने के खिलाफ एकजुट हैं। नागरिकों का कहना है कि यह पार्क क्षेत्र की जनता और बच्चों तथा वरिष्ठ नागरिकों के लिए एकमात्र खुली और स्वच्छ हवा वाली जगह है, जिसे किसी भी कीमत पर नष्ट नहीं होने दिया जाएगा। नागरिकों का कहना है कि कई सौ वृक्षों को तैयार करने में कई साल लगे हैं। इसे किसी कीमत पर हरियाली को बर्बाद होने नहीं दिया जाएगा। नागरिकों ने प्रशासन से मांग की है कि पर्यावरण संरक्षण को ध्यान में रखते हुए इस ग्रीन बेल्ट को सुरक्षित रखा जाए। स्थानीय लोगों का शिष्टमंडल सांसद शंकर लालवानी से औपचारिक मुलाकात की और समस्याओं से अवगत कराया। महापौर पुष्यमित्र भार्गव से मुलाकात किया है । जानकारी मिली है कि सांसद और महापौर ने आश्वासन दिया है कि आप लोगों की मांग पर विचार किया जाएगा। लोगों का कहना है कि स्थानीय विधायक श्रीमती मालिनी गौड़ से भी मुलाकात कर समस्याओं से अवगत कराएंगे। यह जानकारी आर एस जैस्वाल ने प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से दी है।

## जय अंबे नगर तालाब पर प्रशासन को 48 घंटे का अल्टीमेटम: सुषम सावंत

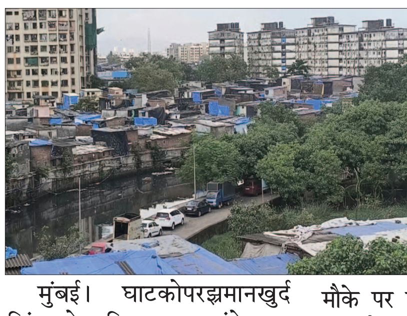

मुंबई। घाटकोपरझमानखुर्द लिंक रोड स्थित जय अंबे नगर परिसर में तालाब के रूप में पहचाने जाने वाले जलस्रोत की बदहाल स्थिति को लेकर प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े हो गए हैं। तालाब में भारी मात्रा में जलकुंभी, काई, खरपतवार और झाड़ियां फैलने से जलस्रोत का स्वरूप प्रभावित हो रहा है। वहीं, स्थानीय नागरिकों ने तालाब क्षेत्र में कथित भराव और अतिक्रमण की शिकायतें भी प्रशासन के समक्ष उठाई हैं।

मामले को गंभीरता से लेते हुए नगरसेवक सुषम गोपाल सावंत ने संबंधित प्रशासनिक विभागों को 48 घंटे का अल्टीमेटम दिया है। उन्होंने मांग की है कि निर्धारित समय के भीतर मौके पर संयुक्त निरीक्षण कराकर जलस्रोत की वास्तविक स्थिति स्पष्ट की जाए और संरक्षणात्मक कार्रवाई तत्काल शुरू की जाए। सावंत ने बीएमसी, मुंबई उपनगर जिलाधिकारी कार्यालय और नगर भूमापन विभाग के अधिकारियों से संयुक्त सर्वेक्षण कराने की मांग की है। उनके अनुसार, प्रमाणित भूमि अभिलेखों के आधार पर तालाब की सीमा, स्वामित्व और अधिकार-क्षेत्र स्पष्ट किया जाना जरूरी है। साथ ही कथित अतिक्रमण की जांच कर नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर नियमानुसार कार्रवाई की जाए। इसके अलावा जलकुंभी और झाड़ियों की वैज्ञानिक एवं पर्यावरण अनुकूल तरीके से सफाई, सुरक्षा रेलिंग, चेतावनी बोर्ड और पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था करने पर भी जोर दिया। सुषम सावंत ने कहा कि केवल विभागीय पत्राचार और फाइलों के आदान-प्रदान से समस्या का समाधान नहीं होगा। अधिकारियों को मौके पर उतरकर कार्रवाई करनी होगी। उन्होंने चेतावनी दी कि 48 घंटे में ठोस कार्रवाई शुरू नहीं हुई तो स्थानीय नागरिकों के साथ लोकतांत्रिक एवं शांतिपूर्ण तरीके से तीव्र जनआंदोलन किया जाएगा। हालांकि, तालाब में कथित भराव और अतिक्रमण के आरोपों की आधिकारिक पुष्टि संबंधित विभागों की जांच एवं भूमि अभिलेखों के सत्यापन के बाद ही स्पष्ट होगी।

## ट्री प्लांटेशन संकल्पवृत्ति सम्मान समारोह-2026 सम्पन्न

**नालासोपारा।** परम पूज्य जगद्गुरु श्रीमत रामानंदाचार्य नरेंद्राचार्य महाराज की प्रेरणा से जगद्गुरु नरेंद्राचार्य महाराज संस्थान, उपपीठ मुंबई द्वारा राउतवाड़ी, शिरसाड में ट्री प्लांटेशन संकल्पवृत्ति सम्मान समारोह-2026 का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में नालासोपारा विधायक राजन नाईक ने शामिल होकर परम पूज्य जगद्गुरु श्रीमत रामानंदाचार्य नरेंद्राचार्य महाराज का आशीर्वाद प्राप्त किया।

इस अवसर पर पालघर लोकसभा क्षेत्र के सांसद डॉ. हेमंत सावरा भी उपस्थित रहे। जगद्गुरु नरेंद्राचार्य महाराज की पावन उपस्थिति में आयोजित यह कार्यक्रम पर्यावरण संरक्षण और समाज में वृक्षारोपण के प्रति जागरूकता बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल रहा। कार्यक्रम के दौरान वृक्षारोपण को बढ़ावा देने और पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए लोगों से अधिक से अधिक पेड़ लगाने तथा लगाए गए पेड़ों की देखभाल करने का आह्वान किया गया। वक्ताओं ने कहा कि वर्तमान समय में पर्यावरण संतुलन बनाए रखना सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। ह्यएक पेड़ लगाओ, एक पेड़ बचाओह्न की भावना को जन-जन तक पहुंचाने की आवश्यकता है। विधायक राजन नाईक ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि वृक्षारोपण केवल पर्यावरण संरक्षण का माध्यम नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित और स्वस्थ भविष्य की नींव है।इस अवसर पर संस्थान के पदाधिकारियों, सेवकों तथा कार्यक्रम में शामिल हुए गणमान्य नागरिकों को सफल आयोजन के लिए बधाई एवं शुभकामनाएं दी गईं।

## आदर्श शिक्षिका संगीतारानी सिंह का सेवासंपूर्ति सम्मान समारोह सम्पन्न

मुंबई । शिष्यवृत्ति परीक्षा की कुशल मार्गदर्शक एवं आदर्श शिक्षिका संगीतारानी राकेश सिंह के मनपा. शिक्षण विभाग में लगभग तीस वर्षों की सेवा के उपरांत सेवानिवृत्त होने के उपलक्ष में दलवी प्लॉट व आकुर्ली विद्यालय परिवार द्वारा सेवा संपूर्ति सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए पूर्व प्रधानाध्यापिका नीलम सिंह ने उनके त्याग, सेवा एवं छात्रों के प्रति समर्पण की सराहना की तथा प्र शा स कि य अधिकारी अशफाक अहमद शाह ने संगीता सिंह के सामाजिक सेवा भावना और मदद की प्रवृत्ति की चर्चा की। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथियों के रूप में पूर्व प्रधानाध्यापक अवधेश कुमार सिंह रमाशंकर यादव, अशोक कुमार सिंह, हरबंशकौर गिल, बजरंगलाल यादव, बिहारीराम विश्वकर्मा, सुनैनी सोनार तथा प्रधानाध्यापक शोभा महाले, सुमन शर्मा, शहनाज सैय्यद, इंचार्ज शिक्षक अनिल गुप्ता, अरुणा रच्चा एवं मुमताजुद्दीन ने अपनी शुभकामनाएं देते हुए उनके व्यक्तित्व व कृतित्व की अनेक यादें साझा की। प्रमुख वक्ता के रूप में पूर्व शिक्षक जितेंद्र तिवारी, राम आसरे यादव एवं इंद्रभान सिंह ने अपने शुभेच्छा वक्तव्य में उनके सेवाकाल के अनेक यादगार पलों के बारे में बात की। कार्यक्रम के शुभारंभ में संगीत शिक्षिका मृणाल लिमये के सुंदर निर्देशन में छात्राओं ने सरस्वती वंदना एवं स्वागत गीत प्रस्तुत किया।कार्यक्रम का संचालन पूर्व प्रधानाध्यापक ईश्वरदेव पाल ने किया। कार्यक्रम का सुंदर आयोजन हिम्मतलाल सेठ, धनसिंह जाधव प्रमिला पाल, वैशाली मराठे आदि शिक्षकों ने किया।

## गणेशोत्सव में चीनी, बेसन, रवा और पाम तेल रियायती दरों पर दिए जाने की मांग

मुंबई । आगामी गणेशोत्सव के मद्देनजर बढ़ती महंगाई से परेशान मुंबईकरों को बड़ा आर्थिक राहत देने के लिए 'मुंबई जनता दल (सेक्युलर)' की ओर से राज्य सरकार से एक महत्वपूर्ण मांग की गई है। पार्टी के प्रतिनिधिमंडल ने महाराष्ट्र के माननीय मुख्यमंत्री श्री देवेंद्र फडणवीसजी को एक आधिकारिक पत्र भेजकर गणेशोत्सव के दौरान आवश्यक किराना सामग्री रियायती यानी अनुदानित दरों पर उपलब्ध कराने का आग्रह किया है। महाराष्ट्र के सबसे बड़े और प्रिय उत्सव 'गणेशोत्सव' में घर-घर में मोदक, मिठाइयां और विभिन्न व्यंजन बनाने के लिए चीनी, बेसन, रवा और पाम तेल जैसी खाद्य सामग्रियों की भारी मात्रा में आवश्यकता होती है। हालांकि, इस साल किराना सामान और दैनिक जरूरतों की वस्तुओं के दाम अत्यधिक बढ़ने के कारण आम और मध्यमवर्गीय मुंबईकरों का बजट पूरी तरह गड़बड़ा गया है और इस महंगाई की सीधी मार नागरिकों पर पड़ रही है। इस गंभीर समस्या की ओर राज्य सरकार का ध्यान आकर्षित करते हुए मुंबई जनता दल (सेक्युलर) ने आम मुंबईकरों को राहत देने के लिए तुरंत कदम उठाने की मांग की है। पार्टी ने पत्र के माध्यम से मांग की है कि रियायती दरों वाली यह किराना सामग्री सभी आम मुंबईकरों के लिए उपलब्ध होनी चाहिए। इसे सार्वजनिक वितरण प्रणाली (राशन दुकानों) के साथ-साथ अपना बाजार, सहकारी भंडार और अन्य सहकारी संस्थाओं के स्टोर के जरिए आसानी से वितरित किया जाना चाहिए। चूंकि गणेशोत्सव में अब कुछ ही दिन बाकी हैं, इसलिए राज्य सरकार को इस पर जल्द से जल्द सकारात्मक निर्णय लेकर घोषणा करनी चाहिए, ताकि त्योहार से पहले यह सामग्री नागरिकों तक पहुंच सके और लाखों सामान्य परिवारों को इस उत्सव के दौरान बड़ी आर्थिक राहत मिल सके, ऐसा विश्वास पदाधिकारियों ने व्यक्त किया है। यह पत्र मुंबई जनता दल (सेक्युलर) के अध्यक्ष सुरेंद्रकुमार बाजपेयी, स्थायी आमंत्रित सदस्य निलेश कंटारिया, सुहास बने व विनोधन मोरे, प्रधान महासचिव संजीवकुमार सदानंदन, कोषाध्यक्ष प्रमोद खंडेलवाल, तथा उत्तर मुंबई जिलाध्यक्ष सुजीत कटियार और उत्तर मध्य मुंबई जिलाध्यक्ष प्रशांत शेडगे के संयुक्त हस्ताक्षर से जारी किया गया है।

## समाजसेवी रमेश शुक्ला ने भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता प्रेम शुक्ला को किया सम्मानित

-प्रेम चंद मिश्रा

मुंबई(उत्तरशक्ति)। देश और समाज में सनातन संस्कृति को मजबूत बनाने के लिए राकेश पांडेय की अध्यक्षता में वडाला के वरिष्ठ समाज सेवक रमेश शुक्ला ने अपने आवास पर श्री रामचरितमानस का संगीतमय पाठ कराया।भजन गायक सुनील दुबे और उनकी पार्टी ने देर रात तक श्रीराम भक्तों को भक्ति रस का स्वाद प्रातः काल तक चखाया । शिवसेना(शिंदे)के उपनेता पूर्व सांसद राहुल रमेश शेवाले ने पूजा स्थल का दर्शन लिया। इस मौके पर भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता प्रेम शुक्ला उनकी धर्मपत्नी श्रीमती शांति देवी शुक्ला,भाजपा महाराष्ट्र प्रवक्ता संजय सिंह ठाकुर, आरटीआई कार्यकर्ता पत्रकार अनिल गलगली,भाजपा प्रवक्ता प्रो.दयानंद तिवारी, उदय प्रताप सिंह, शिवसेना(शिंदे)व्यापारी सेल अध्यक्ष लक्ष्मण कोठारी,मुंबई कांग्रेस महासचिव ब्रजमोहन शर्मा,भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस सदस्य अमित शेट्टी,वेद भूषण पांडेय, दीपनारायण शुक्ला इत्यादि को शाल और तुलसी पौधा से रमेश शुक्ला ने सम्मानित किया। प्रेम शुक्ला के हाथों 11 महिलाओं को सम्मानित कराया गया। रमेश शुक्ला परिवार ने श्रीराम भक्त हनुमान की सुंदर और आकर्षक प्रतिमा भेंटकर प्रेम शुक्ला को सम्मानित किया। इस धार्मिक अनुष्ठान को सफल बनाने के लिए जयप्रकाश तिवारी,गोकरण त्रिपाठी,बाळ कृष्ण तिवारी, हरिप्रसाद कनौजिया, गुड्डू त्रिपाठी, लाला विश्वकर्मा, मनीष तिवारी, मोहन माली, शशि पटेल ,सानूर शेख, हर्ष शुक्ला, अमोष शुक्ला के अलावा महिलाओं में मीना मिश्रा, किरण जायसवाल, पार्वती माली, कल्पना तिवारी और मदद सामाजिक संस्था की अध्यक्ष श्रीमती रत्ना राकेश पांडेय. श्रुति तिवारी आदि ने चढ़ बढ़ कर हिस्सा लेकर कार्यक्रम को सफल बनाया । सम्मान समारोह का सूत्र संचालक राकेश पाण्डेय ने आए हुए सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया।

## श्री रामलीला उत्सव समिति की बैठक संपन्न`,60वें रामलीला महोत्सव की तैयारियों पर मंथन

**मुंबई।** श्री रामलीला उत्सव समिति के तत्वावधान में विगत 59 वर्षों से छत्रपति श्री शिवाजी महाराज मैदान, पार्कसाइट में निरंतर रामलीला का भव्य मंचन किया जाता रहा है। आगामी 60वें वर्ष के रामलीला महोत्सव को भव्य एवं ऐतिहासिक बनाने को लेकर रविवार को घाटकोपर पश्चिम स्थित अमृतनगर में समिति की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता समिति के अध्यक्ष प्रभाकर चंद्रशेखर शुक्ल ह्यरिंकू भइयाह्न ने की। बैठक में आगामी 11 अक्टूबर से 21 अक्टूबर तक रामलीला मंचन,राम बारात, श्री राम चरित मानस और महाकाव्य महाभारत पर सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता, दशहरा,कवि सम्मेलन आदि आयोजन की तैयारी हेतु चर्चा हुई।समिति की ओर से बताया गया कि इस वर्ष रामलीला का मंचन ब्रजधाम मथुरा के उत्कृष्ट एवं अनुभवी कलाकारों द्वारा किया जाएगा। 60वें वर्ष के इस विशेष आयोजन को भव्य, आकर्षक और यादगार बनाने के लिए सभी सदस्यों ने पूरे समर्पण के साथ कार्य करने का संकल्प लिया। समिति अध्यक्ष प्रभाकर चंद्रशेखर शुक्ल ह्यरिंकूह्न ने कहा कि श्री रामलीला उत्सव समिति पिछले छह दशकों से भगवान श्रीराम के आदर्शों तथा भारतीय संस्कृति के संरक्षण एवं संवर्धन का कार्य कर रही है। पत्रकार आदेश मिश्र ने सभी पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं से आयोजन की जिम्मेदारियों का समर्पित भाव से निर्वहन करने का आह्वान करते हुए सभी के प्रति आभार व्यक्त किया। बैठक में समिति के अध्यक्ष प्रभाकर चंद्रशेखर शुक्ल ह्यरिंकूह्न, सचिव दिवाकर मिश्र, प्रमुख राहुल शुक्ल,सर्वदेव पांडेय, भोलानाथ मिश्र, अरविंद शुक्ल, दिनेश सिंह, अवधेश तिवारी दिव्यप्रकाश तिवारी, पत्रकार एवं विशेष कार्यकारी अधिकारी महाराष्ट्र आदेश मिश्र,प्रेम तिवारी, राजेश पांडेय, विवेक पांडेय, रामतीर्थ शर्मा, रमापति यादव, तपस्वीलाल चौरसिया, संदीप दुबे, निक्क कन्नौजिया,किशनचंद शर्मा,विपिन सिंह सहित समिति के अनेक पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे।

# सांगानेर क्षेत्र में स्थित 86 कॉलोनियों का बड़ा ऐलान, 'नियमन नहीं, तो वोट नहीं'

जयपुर। जयपुर नगर निकाय चुनावों से ठीक पहले जयपुर के सांगानेर क्षेत्र में स्थित 86 कॉलोनियों के नियमन हेतु संघर्ष कर रही जनकल्याण विकास समिति (आजाद नगर, गायत्री कॉलोनी, शिव कॉलोनी-डी, अम्बिका कॉलोनी-II) की महापंचायत की ओर से बड़ा ऐलान किया गया है।

जयपुर। जयपुर नगर निकाय चुनावों से ठीक पहले जयपुर के सांगानेर क्षेत्र में स्थित 86 कॉलोनियों के नियमन हेतु संघर्ष कर रही जनकल्याण विकास समिति (आजाद नगर, गायत्री कॉलोनी, शिव कॉलोनी-डी, अम्बिका कॉलोनी-II) की महापंचायत की ओर से बड़ा ऐलान किया गया है। जिसके तहत इन सभी कॉलोनियों के निवासियों ने यह निर्णय लिया है कि यदि सरकार द्वारा उनकी कॉलोनियों के नियमन को लेकर कोई ठोक कदम नहीं उठाया गया तो वो इस चुनावों में अपने मताधिकार का प्रयोग नहीं करेंगे।

इसको लेकर जनकल्याण विकास समिति (आजाद नगर, गायत्री कॉलोनी, शिव कॉलोनी-डी, अम्बिका कॉलोनी-II) की संघर्ष समिति के महासचिव चंद्र सिंह राजावत ने कहा कि 'जैसा कि मुख्यमंत्री जी ने अभी कहा, हम पिछले कई वर्षों से इस न्यायिक मामले को लेकर संघर्ष कर रहे हैं। इतने वर्षों से यहां रहने के बावजूद हम पंजीकृत सोसायटी से प्रभावित हैं। इसके बावजूद आज तक हमारे नियम-नेटु क्षेत्र के नियमन का कोई समाधान नहीं हुआ है। उन्होंने कहा कि 8 मार्च को हमने पुरी में एक बड़ा प्रदर्शन किया था, जिसमें 86 कॉलोनियों से हजारों लोग शामिल हुए और उन्होंने सरकार तक यह संदेश पहुंचाया कि नियम-नेटु जाने का रास्ता खोला जाए। इसके बाद मजबूर होकर 86 कॉलोनियों के सभी लोगों ने 16 अगस्त को महापंचायत आयोजित की। इस महापंचायत में सैकड़ों लोग शामिल हुए, जिनमें महिलाएं, बच्चे, बुजुर्ग और दिव्यांगजन भी मौजूद थे। इस मामले को लेकर राजावत ने कहा कि महापंचायत में सभी लोगों ने सर्वसम्मति से निर्णय लिया कि हम पिछले कई वर्षों से इन सरकारों को वोट देते आए हैं। पिछले 35-40 वर्षों से हमने अपने वोट के माध्यम से इन लोगों को मुख्यमंत्री बनाने में योगदान दिया है। हमारे वोटों की बदौलत आज ये लोग मुख्यमंत्री के पद तक पहुंचे हैं। उन्होंने कहा कि लेकिन यह हमारे लिए दुर्भाग्य की बात है कि आज भी हमारा नियमन नहीं हुआ है। न्यायपालिका की ओर से हमें अवैध घोषित कर दिया गया है। अगर सरकार के वकीलों ने न्यायालय में हमारा पक्ष मजबूती से रखा होता और पर्याप्त साक्ष्य प्रस्तुत किए होते, तो आज हम नियमन की स्थिति में होते।

यहां लोग वर्षों से अपनी रोजी-रोटी चला रहे हैं। कई लोगों ने गांव में अपनी खेती और मकान तक बेच दिए और यहां आकर अपने घर बनाए हैं। अचानक यह कह दिया गया कि हम अवैध हैं। आखिर हम अवैध कैसे हो सकते हैं? हमारे वोटों से सरकारें बनी हैं। इसी महापंचायत में सभी लोगों ने सर्वसम्मति से निर्णय लिया कि अब जो चुनाव आने वाले हैं, उनमें हमारा स्पष्ट नारा होगा– नियमन नहीं, तो वोट नहीं। भविष्य में जब तक हमारा नियमन नहीं किया जाता, तब तक हम वोट नहीं देंगे। आप देखेंगे कि हर कॉलोनी में जगह-जगह बैनर लगाए जा रहे हैं और हर घर से यही आवाज उठ रही है–नियमन नहीं, तो वोट नहीं।

राजावत ने आगे कहा कि मैं यह संदेश जनता और सरकार तक पहुंचाना चाहता हूं। मुख्यमंत्री जी स्वयं विधानसभा के सदस्य हैं। अगर हमारा नियमन नहीं किया गया, तो आने वाले विधानसभा चुनाव हों या लोकसभा चुनाव, हम अपना विरोध दर्ज कराएंगे। इस बार हम इस व्यवस्था का हिस्सा नहीं बनेंगे और इस चुनाव का बहिष्कार करेंगे।' इसी मुद्दे पर एक अन्य स्थानीय निवासी ने कहा कि 'हम अपने अधिकारों की लड़ाई लड़ रहे हैं। लोगों ने पंजीकृत सोसायटियों से जमीन खरीदकर अपने घर बनाए हैं। इन कॉलोनियों में 80 से 100 प्रतिशत तक आबादी बस चुकी है और यहां लाखों लोग रह रहे हैं। इसके बावजूद इतने वर्षों के बाद भी इन कॉलोनियों के नियमन को लेकर कोई ठोस समाधान नहीं हुआ है। हमने अपनी तरफ से पूरी कोशिश की है। हम पिछले कई वर्षों से इस मुद्दे को लेकर संघर्ष कर रहे हैं। यह मामला लंबे समय से न्यायालय में भी चल रहा है और इस मुद्दे को लेकर हमने कई बार अपनी बात रखी है। उन्होंने बताया कि 8 मार्च 2026 को इन कॉलोनियों के हजारों लोगों ने एक बड़ा पैदल मार्च निकाला था। इसमें बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए और सरकार को स्पष्ट संदेश दिया गया कि हमारी समस्या का समाधान किया जाए। यह प्रदर्शन पूरी तरह शांतिपूर्ण तरीके से किया गया था, लेकिन हमारी चिंता यह है कि सरकार इस मुद्दे को गंभीरता से नहीं ले रही है। उन्होंने कहा कि जैसा कि मुख्यमंत्री ने भी कहा, पहले कभी इस समस्या को गंभीरता से नहीं लिया गया। एक बार हमारी बातचीत भी हुई थी और सरकार की ओर से इस मामले को देखने की बात कही गई थी। लेकिन हमारा मानना है कि इसके लिए सबसे जरूरी कदम न्यायालय में मजबूत पैरवी करना था। सरकार के वकीलों की ओर से न्यायालय में मजबूती से पक्ष रखा जाना चाहिए था और पर्याप्त साक्ष्य प्रस्तुत किए जाने चाहिए थे। यह इस मामले का बेहद महत्वपूर्ण हिस्सा था, लेकिन हमें नहीं लगता कि इस दिशा में उतना प्रभावी काम हुआ। स्थानीय निवासियों का कहना है कि हमारी सरकार से मांग है कि अगर यह जमीन अधिग्रहित भूमि है, तो इसे डी-एक्वायर किया जाए और इन कॉलोनियों के नियमन का रास्ता बनाया जाए। आखिर आम आदमी क्या करेगा? लोगों ने अपनी मेहनत की कमाई लगाकर यहां जमीन खरीदी, मकान बनाए और वर्षों से यहां रह रहे हैं। ऐसे में उनकी समस्या का स्थायी समाधान होना चाहिए।

उनका कहना है कि अगर इसके बावजूद हमारी मांग पूरी नहीं होती है, तो 86 कॉलोनियों के सभी प्रतिनिधियों और लोगों की मौजूदगी में हुई महापंचायत में हमने एक बड़ा फैसला लिया है। महापंचायत में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि जब तक हमारी कॉलोनियों का नियमन नहीं किया जाता, तब तक इस क्षेत्र की जनता चुनाव में अपने मताधिकार का इस्तेमाल नहीं करेगी।

## फिर चढ़ने लगी गंगा, बारिश ने बढ़ाई काशी की चिंता

**69.44 मीटर पहुंचा जलस्तर, 4 सेंटीमीटर प्रतिघंटे की रफ्तार से बढ़ाव घंटेभर की मूसलाधार बारिश से सड़कें बनीं झील**

-सुरेश गांधी

वाराणसी। गंगा का जलस्तर एक बार फिर काशी की चिंता बढ़ाने लगा है। केंद्रीय जल आयोग के राजघाट गेज पर रविवार 6 बजे गंगा का जलस्तर 69.44 मीटर दर्ज हुआ, जो चेतावनी बिंदु 70.262 मीटर से अभी नीचे है, लेकिन नदी 4 सेंटीमीटर प्रतिघंटे की रफ्तार से बढ़ रही है। लगातार बढ़ते जलस्तर के बीच रविवार को करीब एक घंटे हुई मूसलाधार बारिश ने शहर की मुश्किल और बढ़ा दी। कई इलाकों में सड़कें जलभराव से झील जैसी नजर आईं और सामान्य आवागमन प्रभावित हुआ। हाल के दिनों में बारिश के बाद काशी के कई हिस्सों में जलभराव की समस्या सामने आती रही है।

गंगा का यह बढ़ाव ऐसे समय में हुआ है जब तटवर्ती और निचले इलाकों में पहले से सतर्कता बढ़ाई गई है। प्रशासन ने संभावित बाढ़ की स्थिति से निपटने के लिए राहत और बचाव तंत्र को सक्रिय रखा है। वरुणा तटवर्ती क्षेत्रों पर भी निगरानी बढ़ाई गई है। फिलहाल गंगा खतरे के निशान 71.262 मीटर से 1.902 मीटर नीचे है, लेकिन बढ़ने की रफ्तार ने प्रशासन के साथ तटवर्ती बस्तियों की बेचैनी बढ़ा दी है। मौसम विभाग ने भी वाराणसी में अगले दिनों बारिश की संभावना जताई है और 31 अगस्त व एक सितंबर को भारी बारिश का पूवार्नुमान दिया है। प्रशासन का जोर अब नदी के जलस्तर के साथ बारिश से पैदा होने वाले शहरी जलभराव पर भी है। संदेश साफ है–नदी का पानी अभी खतरे के निशान से नीचे है, लेकिन बढ़ती रफ्तार और बारिश दोनों को हल्के में लेने का समय नहीं।

बाढ़ से निपटने को प्रशासन तैयार

61 राहत शिविर–भोजन, पेयजल, प्रकाश, बिस्तर और स्वच्छता की व्यवस्था।

21 बाढ़ चौकियां–स्थानीय जलस्तर और हालात पर लगातार निगरानी।

198 नावें–रेस्क्यू और राहत सामग्री पहुंचाने के लिए तैयार।

24 घंटे बाढ़ नियंत्रण कक्ष–सूचना मिलते ही संबंधित विभागों को सक्रिय करने की व्यवस्था।

NDRF, जल पुलिस व PAC—आपात स्थिति में तत्काल रेस्क्यू के लिए तैयार।

कम्युनिटी किचन–राहत शिविरों में तीन समय भोजन की व्यवस्था। चिकित्सा टीमें–दवाएं, प्राथमिक उपचार और स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने की तैयारी। पशुधन सुरक्षा–भूसा, उपचार, टीकाकरण और सुरक्षित स्थान पर पहुंचाने की व्यवस्था। राहत किट–विस्थापित परिवारों के लिए आवश्यक दैनिक उपयोग की सामग्री तैयार। बहु-विभागीय समन्वय–राजस्व, पुलिस, नगर निगम, स्वास्थ्य, पशुपालन, बिजली, जलकल व पीडब्ल्यूडी को अलर्ट। दिशा-निर्देश–नदी, नालों, तेज बहाव और जलभराव वाले स्थानों पर जाने से बचें; आपात स्थिति में प्रशासन को सूचना दें।

## लिक्विड वेव्सः ऐसे बाल, जो नैचुरली हिलते-डुलते हैं

पिछले कुछ सालों में हेयर स्टाइलिंग इंडस्ट्री में एक बड़ा बदलाव आया है। कई सालों तक स्लीक लुक का फैशन था, जिसमें बाल बहुत सीधे रखे जाते थे। इससे बालों में चमक तो आती थी, लेकिन उनमें नैचुरल बहाव नहीं दिखता था। आजकल की हेयर स्टाइलिंग में बालों के नैचुरल बहाव या मूवमेंट पर जोर दिया जाता है, जिससे 'लिक्विड वेव्स' बनती हैं। सख़्त और कंट्रोल की हुई वेव्स के उलट, लिक्विड वेव्स से बाल बहुत चमकदार, लेकिन हल्के और आजादी से हिलने-डुलने वाले बनते हैं। इस तरह की वेव्स पानी की तरह गहराई दिखाती हैं और साथ ही इनमें लचीलापन और जान-सी होती है। बालों में ऐसा बहाव लाने के लिए डीप ट्रीटमेंट की जरूरत होती है। बालों में बेहतरीन लचीलापन पाने का राज 'हेयर मैट्रिक्स' में छिपा होता है। जब पर्यावरण, केमिकल ट्रीटमेंट और बालों को गर्म करने जैसी चीजों की वजह से हेयर मैट्रिक्स में मौजूद सल्फर बॉन्ड टूट जाते हैं, तो बाल कड़े और बेजान हो जाते हैं। इससे बाल उलझने लगते हैं, अकड़ जाते हैं और उनमें नैचुरल बहाव नहीं रहता। बालों के इस नैचुरल लचीलेपन को वापस लाने के लिए सैलून में नए-नए तरीके अपनाए जाते हैं, जैसे कि डीप क्यूटिकल सीलर और फाइबर को फिर से ठीक करना। आजकल बालों को स्मूद बनाने के तरीकों में अमीनो एसिड और पौधों से मिलने वाले केराटिन का इस्तेमाल होता है। ये बालों के रेशों में मौजूद खाली जगहों को भर देते हैं, जिससे बालों के स्ट्रक्चर में कोई बड़ा बदलाव किए बिना ही उन्हें स्मूद बनाया जा सकता है। सल्फर बॉन्ड के हमेशा के लिए टूट जाने से बाल कड़े और बनावटी लगने लगते हैं, लेकिन इस नए तरीके से बालों का स्ट्रक्चर सिर्फ.कुछ समय के लिए ही ठीक किया जाता है। ब्यूटी गैराज लिमिटेड की टेक्निकल और एजुकेशन डायरेक्टर मेलिसा ह्यू ने कहा।

'लिक्विड वेव' लुक पाने के लिए एक खास रूटीन की जरूरत होती है, जिसमें सैलून की खास सर्विस और घर पर किए जाने वाले असरदार हेयर केयर रूटीन, दोनों शामिल हों। सैलून में होने वाले केराटिन और बोटॉक्स-बेस्ड स्मूथिंग ट्रीटमेंट बालों के डैमेज फाइबर मेम्ब्रेन को ठीक करते हैं, जिससे बालों का फ्रिज अंदर से खत्म होता है और बाल चमकदार और एक जैसे स्मूथ बनते हैं। बालों को गहराई से हाइड्रेट करना भी उतना ही जरूरी है। इसके लिए शिया, आर्गन और मैकाडामिया जैसे पोषक तेलों वाले इंटेंसिव डीप कंडीशनिंग हेयर बटर का इस्तेमाल किया जाता है, जो बालों में नमी बनाए रखते हैं। बालों की सेहत के लिए पूरे रूटीन में बॉन्ड-बिल्डिंग सीरम और हीट-प्रोटेक्टिंग तेलों का इस्तेमाल जरूरी है। ये तेल ड्राई ऑयल सिलिकेट्स की मदद से बालों की बाहरी परत को सील करते हैं, जिससे नमी का असर नहीं होता और बाल बेहद चमकदार और शीशे जैसे लगते हैं। प्रोफेशनल और घर पर बालों को स्टाइल करने के लिए चमक बढ़ाने वाली इस तकनीक को और बेहतर बनाने के लिए एक ऐसे सिस्टम का इस्तेमाल किया जाता है, जिसका मकसद बालों में चमक और बाउन्स लाना है। सबसे पहले बालों को मॉइस्चराइज करने और साफ करने के लिए एक हल्के और बिना सल्फेट वाले स्मूथिंग शैम्पू और कंडीशनिंग मास्क का इस्तेमाल किया जाता है। बालों को स्टाइल करने से पहले तौलिए से सुखाए गए बालों के बीच के हिस्से और सिरों पर हीट प्रोटेक्शन कॉम्प्लेक्स वाली स्टाइलिंग क्रीम लगाई जाती है। इस प्रोसेस में तेज हवा वाले प्रोफेशनल हेयर ड्रायर और पैडल ब्रश का इस्तेमाल करके बालों को हल्के खिंचाव के साथ नीचे की तरफ ब्लो-ड्राई किया जाता है, जिससे क्यूटिकल्स एक ही सीध में एक जैसे हो जाते हैं। इसके बाद स्टाइलिस्ट स्टाइलिंग आयरन का इस्तेमाल करते हैं, इसे थोड़ा तिरछा रखकर बालों के हर हिस्से पर 'र' शेप में घुमाया जाता है, ताकि कर्ली बालों के बजाय हल्के वेव (लहरें) बन सकें। आखिर में हल्के शाइन स्प्रे या बालों के सिरों पर फिनिशिंग ऑयल की दो बूंदें लगाई जाती हैं ताकि बिखरे हुए बाल (flyaways) ठीक हो जाएं। 'वेव ऑफ लिक्विड्स' (wave of liquids) का चलन लग्जरी हेयर केयर की दिशा में एक नया कदम है। इसमें कड़े या सख्त स्टाइल बनाने के बजाय बालों की सेहत, कोमलता और उनके नैचुरल बहाव पर ध्यान दिया जाता है। बालों के बॉन्ड को रिपेयर करने वाली खास तकनीकों और हल्के हाइड्रेशन का इस्तेमाल करके बेजान बालों को एक शानदार और लहराते हुए हेयरस्टाइल में बदलना मुमकिन हो जाता है।

**लेखक : मेलिसा ह्यू - टेक्निकल और एजुकेशन डायरेक्टर, ब्यूटी गैराज लिमिटेड**

## संजय गांधी राष्ट्रीय उद्यान बोरीवली में 200 सरयूपारीण ब्राह्मणों ने किया श्रावणी उपाक्रम

मुंबई। अंतरराष्ट्रीय सरयूपारीण ब्राह्मण परिषद के तत्वाधान में 28अगस्त को संजय गांधी राष्ट्रीय उद्यान, बोरीवली मे नदी के तट पर 200 सरयूपारीण ब्राह्मणों ने धमार्चार्य मुरलीधर मिश्र, वेदनिधि शास्त्री,डा वाणी प्रमुख विलाश शुक्ला,पं नरेंद्र मिश्रा एवं ध्रुवकुमार पांडेय के मार्गदर्शन मे श्रावणी उपाकर्म महापर्व मे सोल्लास सहभाग किया। कार्यक्रम विधि-विधान से संपन्न हुआ। प्रमुख सरयूसेवक डॉ आर. के. चौबे एवं महामंत्री डॉ. राधेश्याम तिवारी के नेतृत्व में आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित प्रमुख लोगों में सुभाष उपाध्याय, डॉ. हृदयनारायण मिश्रा, इंदुप्रकाश तिवारी, कृपाशंकर पांडे, संतोष दुबे, अवधेंद्र शुक्ला,के के तिवारी, रविकांत शुक्ला, सुरेश मिश्रा, हेमंत पांडेय,अशोक तिवारी. विद्याशंकर चतुर्वेदी. चंद्रशेखर शुक्ल,नागेंद्र मिश्रा.मुकेश मिश्रा विजय श्याम शुक्ला विजयनाथ तिवारी, रवि मिश्रा.संजय शर्मा, पत्रकार दीनानाथ तिवारी आदि का समावेश रहा। मुंबई महानगरपालिका के प्रभाग अध्यक्ष प्रकाश दरेकर ने उपस्थित होकर समारोह की गरिमा बढाई और भविष्य मे और अधिक सहयोग देने का आश्वासन दिया। परिषद ने प्रकाश दरेकर, प्रवीण दरेकर, विधायक प्रकाश दादा सुर्वे का आभार प्रकट किया।

## स्थानांतरण की मांग को लेकर शिक्षक संघ ने सौंपा ज्ञापन

लखनऊ ( उत्तरशक्ति )। राजकीय शिक्षक संघ उत्तर प्रदेश के प्रांतीय नेतृत्व ने 4 प्रतिशत विभागीय कोटे के अंतर्गत स्थानांतरण की प्रक्रिया ऑफलाइन माध्यम से शीघ्र शुरू कराने की मांग को लेकर शिक्षक विधायक एवं एमएलसी उमेश द्विवेदी को ज्ञापन सौंपा। प्रांतीय अध्यक्ष अशोक कुमार गौतम और प्रांतीय महामंत्री डॉ. अशोक कुमार अवाक के नेतृत्व में पहुंचे प्रतिनिधिमंडल ने सुदूर एवं विषम परिस्थितियों में कार्यरत शिक्षक-शिक्षिकाओं की समस्याओं से एमएलसी को अवगत कराया। संघ ने नियमानुसार पात्र शिक्षकों के स्थानांतरण की प्रक्रिया जल्द शुरू कराने की मांग की। मामले को गंभीरता से लेते हुए एमएलसी उमेश द्विवेदी ने तत्काल माध्यमिक शिक्षा मंत्री गुलाब देवी से दूरभाष पर वार्ता की। मंत्री ने सकारात्मक रुख अपनाते हुए कहा कि मुख्यमंत्री की सहमति अथवा दिशा-निर्देश मिलने के बाद पात्र शिक्षकों के स्थानांतरण की प्रशासनिक प्रक्रिया प्राथमिकता के आधार पर शुरू की जा सकती है।

एमएलसी उमेश द्विवेदी ने प्रतिनिधिमंडल को आश्वस्त किया कि मुख्यमंत्री के साथ प्रस्तावित वार्ता में वह शिक्षकों के इस बहुप्रतीक्षित मुद्दे को प्रमुखता से उठाएंगे। संघ के प्रतिनिधियों ने उम्मीद जताई कि इस पहल से लंबे समय से स्थानांतरण की प्रतीक्षा कर रहे शिक्षकों को राहत मिल सकेगी। प्रतिनिधिमंडल में लखनऊ के जिलाध्यक्ष अखिलेश अवस्थी, मेरठ से नीतू कुमार, सोनभद्र से प्रतिमा देवी, गोंडा से नेहा जायसवाल, मिजार्पुर से दिनेश कुमार, भदोही से अरुण कुमार सिंह, कन्नौज से अर्चना यादव, बरेली से उषा सरोज, सिद्धार्थनगर से अर्चना और महाराजगंज से ज्योति वर्मा सहित विभिन्न जनपदों के शिक्षक पदाधिकारी एवं सदस्य शामिल रहे।

## सैमसंग ने लॉन्च किया गैलेक्सी S26 FE'

मुंबई। सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स ने आज अपने गैलेक्सी S26 परिवार में नए गैलेक्सी S26 FE को शामिल करने की घोषणा की। यह इस सीरीज का पहला स्मार्टफोन है जो डल्ली वक9 के साथ आ रहा है। इसके जरिए अब और ज्यादा यूजर्स को पहले ही दिन से नवीनतम प्रीमियम गैलेक्सी अनुभव मिलेगा। अपग्रेडेड कैमरा और माहौल को समझने वाले (कॉन्टेक्स्ट-अवेयर) गैलेक्सी अक के साथ, यह रोजमर्रा की फोटोग्राफी, कंटेंट क्रिएशन और कनेक्टिविटी के अनुभव को और बेहतर बनाता है। यूजर्स के लिए जो सबसे ज्यादा मायने रखता है, उसे ध्यान में रखकर तैयार किया गया पतला और हल्का गैलेक्सी S26 FE, गैलेक्सी र सीरीज के आइकॉनिक अनुभव को आगे बढ़ाता है। गैलेक्सी S26 FE चुनिंदा बाजारों में ब्लूबेरी, ग्रेफाइट और पिस्ताचियो इन तीन रंगों में उपलब्ध होगा। सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स के मोबाइल एक्सपीरियंस (MX) बिजनेस में एग्जीक्यूटिव वाइस प्रेसिडेंट और कस्टमर एक्सपीरियंस ऑफिस के हेड जे किम ने कहा, गैलेक्सी S26 FE को खास तौर पर गैलेक्सी र सीरीज की पहचान बन चुकी खूबियाँ देने के लिए डिजाइन किया गया है, ताकि इसका हर फीचर यूजर्स के दैनिक जीवन में अर्थपूर्ण बदलाव ला सके। लोकप्रिय गैलेक्सी कैमरा और अक फीचर्स से लैस, और नए डल्ली UI 9 के साथ आने वाला गैलेक्सी S26 FE उन लोगों के लिए बेहतरीन विकल्प है जो जानते हैं कि उनके लिए क्या सबसे ज्यादा मायने रखता है।

सैमसंग गैलेक्सी S26 FE अपने अपग्रेडेड ट्रिपल रियर कैमरा और एडवांस्ड इमेज प्रोसेसिंग के साथ शानदार फोटोग्राफी और सहज एडिटिंग का अनुभव प्रदान करता है। इसमें पहली बार शामिल 'माई फैनकैम' फीचर चुने गए व्यक्ति को अपने आप ट्रैक करके फ्रेम के सेंटर में रखता है, जबकि 'सुपर स्टेडी' हॉरिजॉन्टल लॉक के साथ बेहद स्मूथ वीडियो रिकॉर्ड करता है। ३७ ऑप्टिकल जूम, अपग्रेडेड 12 MP फ्रंट कैमरा और सैमसंग की सिग्नेचर 'नाइटोग्राफी' के जरिए कम रोशनी में भी हर बारीक डिटेल के साथ साफ तस्वीरें और ग्रुप सेल्फी ली जा सकती हैं। इसके अलावा, साधारण प्रॉम्प्ट्स से काम करने वाला 'फोटो असिस्ट' तस्वीरों में बदलाव व अनडू की सुविधा देता है और 'जेमिनी ओम्नी' की मदद से गैलरी के कंटेंट से शेयर करने योग्य वीडियो क्लिप्स आसानी से बनाए जा सकते हैं।

## नाबार्ड ने सतर्कता, ईमानदारी और सुशासन को मजबूत करना विषय पर एक सेमिनार आयोजित किया

मुंबई। राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) ने जारी सतर्कता जागरूकता अभियान 2026 के तहत 25 अगस्त 2026 को मुंबई स्थित अपने प्रधान कार्यालय में सतर्कता, ईमानदारी और सुशासन को सुदृढ़ करना विषय पर एक सेमिनार का आयोजन किया। सतर्कता जागरूकता अभियान 2026 का आयोजन 17 अगस्त से 16 नवंबर 2026 तक समृद्धि के लिए सत्यनिष्ठा विषय के साथ किया जा रहा है।

इस कार्यक्रम में नाबार्ड के उप प्रबंध निदेशक जी. एस. रावत, उप प्रबंध निदेशक डॉ. अजय के. सूद, मुख्य सतर्कता अधिकारी यू. दिनेश शनभाग, वरिष्ठ अधिकारी तथा प्रधान कार्यालय, क्षेत्रीय कार्यालयों, प्रशिक्षण प्रतिष्ठानों, सहायक संस्थाओं और देशभर के जिला विकास प्रबंधकों ने भाग लिया।

विशिष्ट अतिथि का स्वागत करते हुए, नाबार्ड के मुख्य सतर्कता अधिकारी यू. दिनेश शनभाग ने शासन, लोक प्रशासन, बैंकिंग और सतर्कता के क्षेत्र में श्री पटेल के समृद्ध अनुभव को रेखांकित किया। उन्होंने सार्वजनिक संस्थानों में सत्यनिष्ठा, पारदर्शिता और जवाबदेही को सुदृढ़ करने की दिशा में श्री पटेल के महत्वपूर्ण योगदान की सराहना की। सभा को संबोधित करते हुए नाबार्ड के उप प्रबंध निदेशक (डीएमडी) जी. एस. रावत ने सतर्कता के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि इसे केवल अनियमितताओं का पता लगाने और दंडात्मक कार्रवाई करने के माध्यम के रूप में नहीं, बल्कि एक निवारक साधन के रूप में देखा जाना चाहिए। उन्होंने नाबार्ड के सभी कर्मचारियों से अभियान अवधि के दौरान आयोजित की जाने वाली विभिन्न गतिविधियों में सक्रिय रूप से भाग लेने और सत्यनिष्ठा एवं सुशासन की संस्कृति को बढ़ावा देने में योगदान देने का आह्वान किया। उन्होंने प्रभावी निवारक सतर्कता व्यवस्था की आधारशिला के रूप में मजबूत प्रणालियों और प्रक्रियाओं के महत्व पर भी जोर दिया।

## संदिग्ध परिस्थितियों में विवाहिता की मौत, मायके पक्ष ने लगाया हत्या का आरोप

- प्रियेश गुप्ता रुद्रा

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। लाइन बाजार थाना क्षेत्र के विशेषरपुर में रविवार को एक विवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत का मामला सामने आया है। मृतका की पहचान पूनम गौतम (28) पत्नी संदीप कुमार सोनू के रूप में हुई है। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतका के मायके पक्ष ने मौत को संदिग्ध बताते हुए हत्या का आरोप लगाया है। परिजनों का दावा है कि विवाहिता के गले पर निशान मिले हैं। उनका आरोप है कि करीब 10 वर्ष पूर्व शादी के बाद से ही पूनम को उसके पति द्वारा बहनों से मिलने-जुलने और मोबाइल पर बातचीत करने से रोका जाता था। मायके पक्ष ने ससुराल पक्ष पर रुपये मांगने का भी आरोप लगाया है। परिजनों के अनुसार, पूनम की तबीयत बिगड़ने के बाद उसे जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की जानकारी मायके पक्ष को अस्पताल में मौजूद एक परिचित मरीज के माध्यम से हुई, जिसके बाद परिजन अस्पताल पहुंचे। विवाहिता की मौत की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। परिजनों के मुताबिक, मृतका के तीन छोटे बच्चे हैं। फिलहाल पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के वास्तविक कारण का स्पष्ट पता चल सकेगा। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

## आदित्य बिरला ग्रुप का वायर एंड केबल बिजनेस एक साल में देश भर के 40,000 इलेक्ट्रीशियनों को प्रदान करेगा कौशल प्रशिक्षण और प्रमाणपत्र

मुंबई। आदित्य बिरला ग्रुप के वायर एंड केबल बिजनेस ने इलेक्ट्रॉनिक्स सेक्टर स्किल्स काउंसिल ऑफ इंडिया (ईएसएससीआई) के साथ साझेदारी की है। ईएसएससीआई, राष्ट्रीय कौशल विकास निगम (एनएसडीसी) के तहत काम करने वाली एक सेक्टर स्किल काउंसिल है। इस साझेदारी के तहत देश भर में स्किल इंडिया इलेक्ट्रीशियन ट्रेनिंग प्रोग्राम लॉन्च किया गया है। भारत सरकार के स्किल इंडिया मिशन से जुड़े इस कार्यक्रम का उद्देश्य इलेक्ट्रीशियनों की तकनीकी क्षमताओं, विश्वसनीयता, करियर के अवसरों और अपने पेशे के प्रति सम्मान को बढ़ाकर उन्हें कुशल, प्रमाणित और प्रतिष्ठित पेशेवर बनने में मदद करना है।

अगले एक वर्ष में कंपनी पूरे भारत के 40,000 से अधिक इलेक्ट्रीशियनों को सुरक्षित वायरिंग के तौर-तरीकों, सही इंस्टॉलेशन तकनीकों, सामग्री के चयन, बढ़ती इलेक्ट्रिकल लोड जरूरतों और उन्नत वायर टेक्नोलॉजी में भविष्य के लिए तैयार तकनीकी कौशल से लैस करेगी। शुरूआती प्रशिक्षण सत्र पूरे हो चुके हैं और अब पश्चिम बंगाल, असम, हरियाणा, पंजाब, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, महाराष्ट्र, गुजरात और मध्य प्रदेश में लगभग दैनिक सत्र आयोजित किए जा रहे हैं। वायर एंड केबल बिजनेस का लक्ष्य इस साल के अंत में अपने कमर्शियल लॉन्च से पहले 2,000 इलेक्ट्रीशियनों को प्रशिक्षित करना है। प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूरा करने पर प्रतिभागियों को स्किल इंडिया से जुड़ा प्रमाणपत्र, प्रोफेशनल इलेक्ट्रीशियन पहचान पत्र, तथा सरकारी मान्यता प्राप्त सर्टिफिकेशन इकोसिस्टम से जुड़े क्यूआर-इनेबल्ड प्रमाणपत्र और आईडी मिलेंगे। ये क्रेडेंशियल्स उनके कौशल को औपचारिक मान्यता देंगे, जिससे उनकी तकनीकी विशेषज्ञता बढ़ेगी, ग्राहकों का भरोसा मजबूत होगा और बड़े पेशेवर अवसर खुलेंगे। ईएसएससीआई के साथ इस साझेदारी के जरिए आदित्य बिरला ग्रुप का लक्ष्य कौशल विकास, भरोसे, पहचान और साथ मिलकर आगे बढ़ने के आधार पर इलेक्ट्रीशियनों के साथ दीर्घकालिक संबंध स्थापित करना है। इलेक्ट्रीशियनों को सशक्त बनाने के अलावा इस प्रयास का उद्देश्य अधिक सुरक्षित इलेक्ट्रिकल इंस्टॉलेशन, सटीक व गुणवत्तापूर्ण उत्पाद चयन और उद्योग के ऊंचे मानकों में योगदान देना है। कंपनी इलेक्ट्रीशियनों को एक सुरक्षित और भविष्य के लिए तैयार इलेक्ट्रिकल इकोसिस्टम बनाने में महत्वपूर्ण भागीदार मानती है।

भारतीय जनता पार्टी मुंबई महिला मोर्चा उपाध्यक्ष श्रीमती रंजु झा को उत्तरशक्ति न्यूज मुंबई रिपोर्टर नरेंद्र सोनी अंगवस्त्र व पुष्पगुच्छ देकर लम्बी उम्र की शुभकामना दिया। छायाः उत्तरशक्ति